राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-24 | अंक-03 | सितम्बर, 2023 | कुल पृष्ठ-28 | मूल्य- ₹ 15

खूड़ी, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में स्काउट आवासीय विद्यालय के शुभारम्भ के अवसर पर मंचासीन प्रदेश स्काउट संगठन के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य एवं स्टेट कमिश्नर श्री नवीन जैन

खूड़ी, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में स्काउट आवासीय विद्यालय के शुभारम्भ की चित्रमय झलकियां

जगतपुरा, जयपुर स्थित स्काउट आवासीय विद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं गुड टच, बेड टच का प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए छात्र

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 03
सितम्बर, 2023

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
• दिशाबोध	4
• संपादकीय	4
• द्वितीय राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय का शुभारंभ	5
• गणवेश (यूनिफार्म) का प्रभाव	7
• प्रशिक्षण केन्द्र, रिडमलसर, बीकानेर	8
• बीकानेर स्टेट स्काउटिंग के संस्थापक गुरूप्रसाद श्रीवास्तव	9
• प्रशिक्षण : ट्रेनिंग काउन्सलर्स के दायित्व व कर्त्तव्य	10
• लोकार्पण – अभिनन्दन – पौधारोपण	11
• माधोगढ़ की गाइड्स बनी फौजियों की बहनें	11
• विद्यार्थी जीवन और अनुशासन	12
• गतिविधि दर्पण	13
• शिक्षा में स्काउटिंग का महत्व	18
• दक्षता पदक	19
• हमारा स्वास्थ्य : थायराइड	20
• पर्यटन स्थल : कालीबंगा	22
• हमारे महापुरुष : सरदार वल्लभ भाई पटेल	24
• गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क : 100/- संस्थागत शुल्क : 150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं।
यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

प्रशिक्षण संग शिक्षण

यह गौरव की बात है कि हमें अपने जीवनकाल में इस विश्वव्यापी सेवाभावी संगठन का सदस्य बनने एवं सेवा करने का मौका मिला। लार्ड बैडेन पॉवेल ने अपने सैन्य जीवन के अनुभवों के आधार पर इस संगठन की नींव रखी, जहाँ शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए पूर्णतः सैन्य अभियान की भांति अनुशासित रूप से पूरी ईमानदारी से अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए संकल्पित भाव से कार्य किया जाता है। इस प्रवृत्ति के संचालन के लिए विद्यालय स्तर पर प्रभावी नियोजन आवश्यक है। आज की युवा पीढी में ऊर्जा है लेकिन आवश्यकता है कि इस ऊर्जा के सार्थक निस्तारण के लिए सही मार्गदर्शन मिले। आज शिक्षण संस्थाओं में स्काउटिंग जैसे सेवाव्रत धारी व सुनागरिकता का पाठ पढ़ाने वाले आन्दोलन के अतिरिक्त और कौन सा संगठन है जो इस दिशा में गतिमान है। आप कहीं भी किसी भी शिक्षा यज्ञ में आहूतिकर्त्ता से यह पूछेंगे कि सेवा भावना से ओत–प्रोत सुसंस्कारी नागरिक तैयार करने के लिए विद्यालयों में कौनसा प्रभावी कार्यक्रम है, तो जवाब में स्काउट गाइड संगठन का नाम ही होगा।

आज शायद ही विश्व का कोई राष्ट्र या उपनिवेश होगा जहाँ स्काउटिंग की जड़ें जमी हुई नहीं हो। युवा पीढी को सही दिशा, सोच व जीवन शैली की सृजनात्मक प्रदाता कोई संस्था है तो वह है स्काउटिंग। स्काउटिंग जो सह–शैक्षिक प्रवृत्ति के रूप में एक मान्यता प्राप्त संस्था है।

स्काउट आवासीय विद्यालय का संचालन प्रदेश स्काउटिंग में एक नवाचार है, जिसके माध्यम से हम स्काउट प्रशिक्षण के संग शिक्षण का कार्य कर बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए मजबूत आधारशिला का निर्माण कर रहे हैं। प्रदेश के द्वितीय स्काउट आवासीय विद्यालय का खुड़ी–लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में शुभारम्भ हो चुका है, जिसके लिए प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी को पुनः हार्दिक आभार...!

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

स्थानीय संघों व जिला मुख्यालयों के वार्षिक अधिवेशन जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए स्काउट गाइड संगठन में अगस्त–सितम्बर का महिना निश्चित है, जिसमें प्रदेश के लगभग अधिकांश जिला एवं स्थानीय संघों के वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न करना निश्चित किया गया है। वार्षिक अधिवेशन एक ऐसा महत्त्वपूर्ण आयोजन है जब संघ अपने तत्वावधान में वर्ष पर्यन्त किये गये कार्यो, गतिविधियों, शिविरों का लेखा–जोखा सदन के पटल पर रखता है और अपनी उपलब्धियों तथा कमियों का सिंहावलोकन करता है..... समीक्षा करता है। यह बहुत ही इमानदारी से किया जाने वाला कार्य है, जो हमें सदैव आगे बढ़ने में मदद ही करता है और अपनी कमियों को दूर करने हेतु कुछ सकारात्मक परिवर्तनों को अपनाने की ओर भी प्रशस्त करता है।

आशा है कि प्रदेश के सभी मण्डल, जिला एवं स्थानीय संघों ने अपने–अपने वार्षिक अधिवेशन तय समय सीमा में आयोजित कर लिये होंगे। इस अवसर पर अपनी आगामी योजना को सफलता पूर्वक क्रियान्वित करने हेतु मानद सदस्यों के सान्निध्य में योजना तैयार करने का सुअवसर प्राप्त करते हुए उसके सभी पहलुओं यथा कार्यक्रम, गतिविधियां, सामाजिक सेवाएं, आय–व्यय, सहभागिता आदि का निर्धारण किया होगा। अधिवेशन का आयोजन एक प्रकार से आइना देखने के समान होता है, जो हमें हमारी अच्छाइयों और कमियों से अवगत कराता है।

यह अधिवेशन ही है जब स्काउट गाइड, रोवर रेंजर और स्काउटर गाइडर के लिये वर्षभर किये जाने वाले शिविरों व कार्यक्रमों की रूपरेखा और लक्ष्य निर्धारित कर निश्चित की जाती है और उसके परिणामस्वरूप हमारे युवा इस संगठन के बहुआयामी कार्यक्रमों से जुड़ते हैं।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

द्वितीय राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय का शुभारंभ

गणेश प्रसाद गुर्जर
सी.ओ. स्काउट
राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, खुड़ी, लक्ष्मणगढ़ (सीकर)

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में प्रदेश के द्वितीय राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय खुड़ी, लक्ष्मणगढ़ का शुभारंभ 02 सितंबर को अध्यक्ष राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड श्री गोविंद सिंह डोटासरा के मुख्य आतिथ्य, स्टेट चीफ कमिश्नर राजस्थान स्काउट गाइड श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता तथा शासन सचिव स्कूल शिक्षा एवं स्टेट कमिश्नर श्री नवीन जैन के विशिष्ट आतिथ्य में राजस्थान प्रदेश के दूसरे स्काउट आवासीय विद्यालय का शुभारंभ लक्ष्मणगढ़ खुड़ी में किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान स्काउट गाइड श्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि स्काउट गाइड आवासीय विद्यालय में साधन सुविधाओं की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार ने बजट का आवंटन भी कर दिया है तथा आगे भी सकारात्मक रूप से आवश्यक धनराशि उपलब्ध करवाई जाएगी। श्री डोटासरा ने कहा कि लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की लंबी सूची है, इतने सारे विकास कार्य किए गए हैं कि पिछले विधायकों के कार्यकाल में इतने कार्य नहीं हो पाए हैं। डोटासरा ने कार्यक्रम में महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति को देखते हुए कहा कि लक्ष्मणगढ़ की महिलाएं भी अपने आप में सशक्त एवं जागरूक हैं खास तौर पर विकास कार्यों को लेकर तो बहुत ही जागरुक हैं। उन्होंने कहा कि वह निरंतर जनता का सेवक बनकर जनता के लिए कार्य करते रहेंगे एवं जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान एवं निराकरण करते रहेंगे। इस दौरान पीसीसी चीफ ने कहा कि लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में चुनाव अधिसूचना जारी होने से पूर्व भी आमजन के लिए राहत का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं स्काउट गाइड स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग के माध्यम से बालक बालिकाओं में संस्कारों का बीजारोपण किया जाकर उन्हें देश के लिए सूयोग्य नागरिक बनाया जा रहा है।

इस अवसर पर आर्य ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने स्काउटिंग गाइडिंग को पूर्ण सहयोग करते हुए 67 साल बाद राजस्थान में भव्य जंबूरी का आयोजन कराया, जो अपने आप में गौरवशाली एवं मील का पत्थर साबित हुई।

उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश का दूसरा स्काउट आवासीय विद्यालय लक्ष्मणगढ़ में खोला गया है, इसी तरीके से गाइड्स के लिए भी आवासीय विद्यालय संचालित किए जाने हेतु समन्वित प्रयास किए जाएंगे। श्री आर्य ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग के माध्यम से न केवल बालकों में संस्कारों का निर्माण होता है अपितु देश और समाज के लिए अच्छे नागरिकों का भी निर्माण होता है।

विशिष्ट अतिथि स्टेट कमिश्नर एवं शासन सचिव शिक्षा नवीन जैन ने कहा कि राजस्थान प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु उतरोत्तर प्रयास किए जा रहे हैं एवं विद्यालयों की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की गई है, जिससे न केवल विद्यार्थी अपितु अभिभावक भी लाभान्वित हो रहे हैं। इस दौरान श्री जैन ने कहा कि निजी स्कूलों की भांति राज्य के सरकारी स्कूलों में भी अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा देने हेतु महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों का प्रारंभ किया गया है एवं गरीब बच्चों को भी अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने का सुअवसर प्रदान किया गया है। श्री जैन ने कहा कि राजस्थान के प्रत्येक विद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधियों का प्रभावी संचालन किया जाए इस हेतु भी सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

शुभारम्भ समारोह के प्रारम्भ में राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि पीसीसी चीफ एवं विधायक लक्ष्मणगढ़ गोविंद सिंह डोटासरा के अथक प्रयासों से मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2023–24 की अनुपालना में स्काउट आवासीय विद्यालय संचालन हेतु अनुमति जारी की गई, जिसमें कक्षा 6, 7 व 8 की कक्षाएं प्रारंभ की गई तथा प्रत्येक कक्षा में 25–25 सीट कुल 75 छात्रों को प्रवेश दिया गया है।

विद्यालय को अंग्रेजी माध्यम में संचालित किया जा रहा है तथा विद्यालय के कुशल संचालन हेतु जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार ने 18 बीघा जमीन का आवंटन किया है तथा भवन निर्माण हेतु 6.75 करोड़ की राशि स्वीकृत की है।

पंचायत समिति लक्ष्मणगढ़ के प्रधान मदन सेवदा ने भी संबोधित किया। शुभारंभ कार्यक्रम में मदन सेवदा प्रधान पंचायत समिति लक्ष्मणगढ़, सरपंच प्रतिनिधि विक्रम महला, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) बन्नालाल, नगर पालिका अध्यक्ष मुस्तफा कुरेशी, उपखंड अधिकारी राजेश मीणा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी लालचंद, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शीशराम कुल्हरी, सरपंच खुड़ी विमला देवी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मणगढ प्यारेलाल पुनिया, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं स्काउट गाइड्स, रोवर्स रेंजर्स एवं यूनिट लीडर्स तथा ग्रामीण महिलाएं, आम जन उपस्थित रहे।

आवासीय विद्यालय के सी.ओ. स्काउट गणेश प्रसाद गुर्जर, सी.ओ. बसंत लाटा, सी.ओ. गाइड सीकर प्रियंका कुमारी, सी.ओ. स्काउट झुंझुनूं महेश कालावत, सी.ओ. स्काउट प्रदीप कुमार ने व्यवस्थाओं में आवश्यक सहयोग किया। शहीद श्रवण कुमार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुरा नारायण का बास लक्ष्मणगढ़ के प्रधानाचार्य शिशुपाल सिंह ने बताया कि बजट से निर्मित कक्षा कक्षों का लोकार्पण मुख्य अतिथि गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा किया गया। गाइड्स द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक एवं सुंदर प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं सरपंच प्रतिनिधि विक्रम महला द्वारा की गई।

गणवेश (यूनिफार्म) का प्रभाव

प्रस्तोता -गोकुल चन्द्र शर्मा

स्काउट संगठन में स्काउटिंग की जीवन शैली हमारे जीवन का आधार है। इससे हम अनुशासन, नम्रता, भाईचारा, सेवा, सहयोग, स्वावलम्बन व सदाचार की प्रकृति को जीवन में अपनाकर एक अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं जो आगे चलकर समाज में हमारी पहचान बनाता है। इस संगठन से सीख लेकर एक शिष्ट नागरिक समाज में तैयार होता है। यह इस संगठन की अभूतपूर्व देन समाज को मिली है।

स्काउट गाइड आन्दोलन में यूनिफार्म भी अपनी एक विशेष महत्ता रखती है। पहनावे से व्यक्ति की समाज में एक अलग पहचान बनती है। जैसा कि पुरानी कहावत है 'जैसा खावें अन्न, वैसा होवे मन', 'जैसा पीवें पाणी, वैसी होवे बाणी', 'जैसा हो पहनावा, वैसा हो भाव'। व्यक्ति के खान–पान, बोली और पहनावें का अपने व्यक्तित्व पर बड़ा असर होता है। व्यक्ति के पहनावें से उसकी पहचान होती है, जैसे कि यह व्यक्ति द्वारपाल है, यह अंगरक्षक है, यह पुलिस वाला है, यह पंडित है, यह साधु है आदि–आदि......

यहाँ पर हम स्काउटिंग गाइडिंग की बात करें तो यहाँ भी स्काउटिंग की ड्रेस का अपना एक अलग महत्व है। इसके पहनावे से बालक में स्फूर्ति, चुस्ति, अनुशासन, सेवा, ईमानदारी, सहयोग व भ्रातृत्व की भावना जागृत होती है। ड्रेस धुली व प्रेस की हुई हो तो पहनने के साथ ही व्यक्ति के गुणों का आभास होता है। मैं स्काउट हूँ, यह मेरे व्यक्तित्व को दर्शाती है। व्यक्ति की योग्यता अपनी जगह पर है तो सुन्दर वेशभूषा अपनी एक अलग पहचान बनाती है, सम्मान भी दिलाती है, आदर–भाव जगाती है।

सभा में वेशभूषा अपने व्यक्तित्व का प्रभाव दर्शाती है, गुणों की पहचान तो व्यक्ति के बोलने पर होती है लेकिन प्रारम्भिक प्रभाव गणवेश से ही पड़ता है।

किसी कवि ने वेशभूषा के महत्व को दर्शाते हुये कहा है कि –

'वासांसि इति किं न विचारणीयम्
वासः प्रधानं खलु योग्यतायाः।
पीताम्बरं वीक्ष्य ददौ तनूजाम्
दिगम्बरं वीक्ष्य विषं समुद्रः।।

अर्थात् वस्त्रों पर क्या विचार नहीं किया जाना चाहिये? योग्यता के साथ वस्त्रों की भी प्रधानता है, क्योंकि समुद्र मंथन के समय पीताम्बर धारी भगवान विष्णु को समुद्र ने अपनी पुत्री लक्ष्मी को उन्हें दिया और दिगम्बर शिव को देखकर विष दे दिया गया। अतः वस्त्र एवं योग्यता में वस्त्रों की ही प्रधानता है। योग्यता का परिचय लोगों को बाद में होता है। पहले तो वेशभूषा ही प्रभावित करती है।

मुझे एक संस्मरण याद आता है– एक बार मैं अपने स्काउट्स व गाइड्स के साथ मारवाड़ जंक्शन से केम्प करके अजमेर आ रहा था, स्टेशन पर अजमेर के लिए ट्रेन खड़ी थी, सर्दी का समय था, ट्रेन में पैर रखने की भी जगह नहीं थी। हम सभी प्लेटफार्म पर खड़े थे, गाड़ी रवाना होने वाली थी कि अचानक ट्रेन से गार्ड की नजर हम पर पड़ी, उन्होंने स्काउटिंग वेशभूषा में हमें देखकर टीटी को बुलाया और बैठने की व्यवस्था की, गार्ड ने भी कुछ स्काउट्स को अपने पास बैठने की जगह दी। यह है गणवेश का प्रभाव, यदि हम गणवेश में नहीं होते तो सर्दी में स्टेशन पर ही रूकना पड़ता। इसी प्रकार एक बार पुष्करघाटी, अजमेर में केम्प करके हम अजमेर के लिए घाटी के नीचे रोड़ के पास खड़े थे, पुष्कर मेला चल रहा था, गाड़ियाँ रूक नहीं रही थी, काफी देर से परेशान थे। अचानक हमारी गणवेश को देखकर एक ड्राईवर ने बस को रोका और हम सभी को बड़े धैर्य से बैठाकर अजमेर ले आया। यह है गणवेश का प्रभाव जो परेशानी में हमारी मित्रवत् मदद करती है।

इसी प्रकार एक और घटना बयान करता हूँ– अजमेर में उर्स का मेला चल रहा था। स्काउट्स एवं गाइड्स की ड्यूटी मेले में लगी हुई थी, अचानक तत्कालीन जिला कलेक्टर श्री करणी सिंह जी राठौड़ उधर से मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए राउण्ड पर थे, रूके और विभागीय कर्मचारियों से पानी की टंकियाँ, ट्यूब लाईटों की संख्या पूछने लगे, लेकिन उनको उन कर्मचारियों पर विश्वास नहीं हुआ। पास में खड़े स्काउट को बुलाया और कहा आप इन टंकियों व ट्यूबलाईटों की गणना करके मुझे बताओगे, मुझे आप पर विश्वास है। क्या यह स्काउट की पेठ को प्रदर्शित नहीं करती है? सही आंकड़ों के लिए हमारे वर्दीधारी स्काउटों पर इतना भरोसा इस संगठन की बहुत बड़ी साख का परिचायक है।

उपर्युक्त तीनों उदाहरण हमारी संगठन की गणवेश की विश्वसनीयता व स्काउट भाव की पराकाष्ठा को द्योतित करता है। अतः हमारी पोशाक ही हमारी आत्मीय पहचान है।

से.नि.उपनिदेशक शिक्षा
59, अलखनंदा कॉलोनी, अजमेर

हमारे प्रशिक्षण केन्द्र/शिविर स्थल

प्रशिक्षण केन्द्र, रिडमलसर, बीकानेर

अद्‌भुत वास्तु एवं स्थापत्य कला का गवाह

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

रिडमलसर प्रशिक्षण केन्द्र का रियासतकालीन स्वरूप

बीकानेर के रिडमलसर में रियासतकालीन सैरगाह स्थल आज राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के बीकानेर मण्डल का सुनियोजित व सुव्यवस्थित प्रशिक्षण स्थल के रूप में जाना जाता है। राजपरिवार का यह स्थल देवीकुण्ड तालाब के किनारे एक हरियाली से आच्छादित रमणीक व धार्मिक स्थान था। रियासत काल में राजघराने की महिलाओं के लिए सैरगाह स्थल के रूप में तत्कालीन महाराजा डॉ. गंगा सिंह जी ने इस स्थल को विकसित करवाया था। इसके समीप ही भगवान शिव जी एवं 10 देवी–देवताओं के मंदिर के दर्शनार्थ इस स्थल पर राज परिवार के लोग आया करते थे। एक सुन्दर बगीचा जहाँ लगभग सभी प्रकार के फल–फूलों के पेड़–पौधे थे जिन्हें समीप ही स्थित कुँए के जल से सींचा जाता था, के साथ छोटा महलनुमा सुसज्जित भवन, जो आज भी अपनी स्थापत्य कला को प्रदर्शित करता है, विद्यमान था। यहाँ विशेषतः जनानाओं के लिए तालाब में स्नान हेतु अद्‌भुत वास्तुकला को प्रदर्शित करता अनूठा कक्ष था, जिसके भूतल में तालाब का स्वच्छ पानी भरा रहता था और तालाब की तरफ बने द्वारों पर पत्थर की जालियां हुआ करती थी। इसी कक्ष से एक रास्ता अन्दर ही अन्दर मंदिर को जाता था, जिससे रानियां एवं उनकी सखियाँ स्नानोपरान्त मंदिर दर्शन को जाती थी। इस पूरे परिसर के चारों ओर बुर्जियों बनी हुई थी जिन खड़े रहकर नाज़र (किन्नर) पहरा देते थे, क्योंकि वहाँ पुरूषों का प्रवेश वर्जित था। इस स्थल तक जाने वाली सड़क के दोनों ओर तालाब थे। एक ओर देवीकुण्ड सागर तथा दूसरी ओर कल्याण सागर। काल के ग्रास में दोनों आज लगभग सूख चुके हैं। बरसात के मौसम में देवीकुण्ड सागर में पानी भरा रहता है, परन्तु निरन्तर पानी की आवक के अवरूद्ध रहने से 2–3 माह में ही यह तालाब पुनः सूख जाता है।

धीरे–धीरे रियासत में और भी पैलेस बने जैसे गजनेर पैलेस आदि। विस्तार के साथ–साथ इस स्थल की उपयोगिता राजघराने के लिए कम होती गई और एकीकरण से पूर्व तत्कालीन महाराजा सार्दुल सिंह जी ने यह स्थल स्काउटिंग–गाइडिंग के प्रशिक्षण के लिए प्रदान कर दिया। तब से यह बाग राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, रिडमलसर, बीकानेर से नाम से जाना जाता है। स्काउट गाइड संगठन के लिए यह गौरवमयी बात है कि बीकानेर राजपरिवार ने सदैव स्काउटिंग गाइडिंग को अपने क्षेत्र में बढ़ावा दिया और इसके लिए हर सम्भव सहायता मुहैया करवाई। उपरोक्त समस्त जानकारी देते हुए सिल्वर स्टार से अलंकृत वयोवृद्ध श्री रणजीत सिंह जी शेखावत ने हमें बताया कि बीकानेर के महाराजा स्वयं स्काउटिंग में रूचि रखते थे तथा अक्सर स्काउट शिविरों का विज़िट भी किया करते थे। श्री शेखावत ने 1958–59 में इस प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित कब मास्टर प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता की और उस समय का वृत्तान्त बताया कि तब देवीकुण्ड सागर में पानी भरा रहता था और हम केन्द्र में 3–4 फुट गहरा गड्डा रात को खोदते थे, जिसमें सुबह तक तालाब का पानी भरा मिलता था, जिसे पीने के काम में लेते थे।

प्रशिक्षण केन्द्र का वर्तमान स्वरूप

प्रगति के सोपानों से गुजरता हुआ यह केन्द्र वर्तमान में राजस्थान के श्रेष्ठ प्रशिक्षण केन्द्रों में से एक है। विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षणार्थियों का गवाह यह केन्द्र आज अपनी सुविधाओं और खुबसूरती के लिए जाना जाता है। मुख्य द्वार में प्रवेश करते हुए दाहिंनी ओर पूर्व राज्य मुख्य आयुक्त श्री जगन्नाथ सिंह

जी मेहता की याद दिलाता 'मेहता स्थल' है। बाईं ओर आगे बढ़ने पर गेस्ट हाऊस तथा उसके आगे अशोक स्थल है, जहाँ प्रथम बार किसी प्रशिक्षणार्थी का परिचय लिया जाता है। इसके साथ जुड़ा है रियासत कालीन भवन जिसमें रानी महल व अनेक कक्ष तथा वार्डन निवास व अन्य कमरे, स्नानागार, शौचालय ब्लॉक निर्मित हैं। भवन के बाहर सेन्टर मेस....छायादार स्थाई बैठक व्यवस्था जहाँ प्रशिक्षणार्थी शारीरिक व मानसिक ऊर्जा प्राप्त करता है।

केन्द्र पर कुल 27 पक्की हट्स निर्मित है, जो अंग्रेजी के 'सी' आकार में एक लाईन में बनी हुई है। खपरेल की ये हट्स पंखों आदि सुविधायुक्त है। इन हट्स की सामने की पंक्ति प्रशिक्षण केन्द्र को दो भागों में बाँटती है। स्थाई रूप से 10 चबुतरे निर्मित हैं जिन पर आवश्यकतानुसार छोलदारियां लगाई जा सकती है। यह प्रशिक्षण केन्द्र सुनियोजित व सुव्यवस्थित तरीके से विकसित किया गया है। यहाँ कुछ वर्षों पूर्व राज्य सरकार के सहयोग से रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए एक बड़े टाँके का निर्माण करवाया गया, जिसमें पूरे शिविर केन्द्र का बरसाती पानी नालियों के माध्यम से एकत्र होता है। इस पानी से लगभग 2–3 महिने तक इस केन्द्र पर लगे पेड़–पौधों को सींचने के लिए जरूरी पानी की समस्या से निजात तो मिलता ही है साथ ही बरसात का पानी व्यर्थ नहीं बहता।

इस शिविर केन्द्र पर आकर्षण का केन्द्र एडवेंचर बेस 'रॉक क्लाइम्बिंग वॉल' भी है। तीन मंजिला ऊँची इस वॉल को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के मापदण्ड पर निर्मित किया गया है। आज पूरे बीकानेर में इसकी उत्कृष्टता के आधार पर साहसिक गतिविधियों के लिए इसका अपना ही महत्त्व है।

बीकानेर स्टेट स्काउटिंग के संस्थापक गुरूप्रसाद श्रीवास्तव

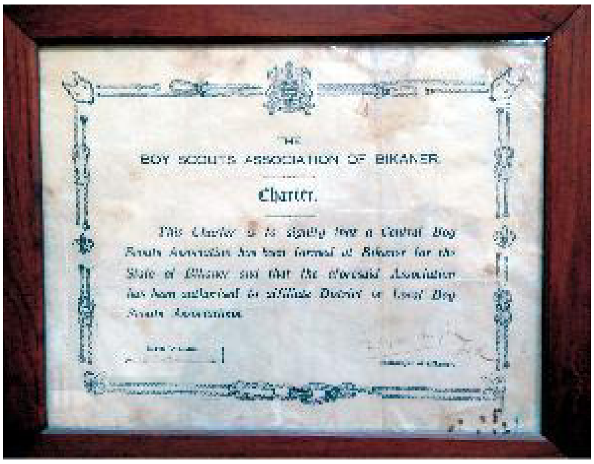

बीकानेर में स्काउटिंग की बात हो और गुरूप्रसाद जी श्रीवास्तव का जिक्र ना हो तो वह बात ही अधुरी कहलायेगी।

राजस्थान के एकीकरण से पूर्व स्काउट गाइड एसोसिएशन सम्पूर्ण भारत में प्रसार कर रहा था। बीकानेर के महाराजा डॉ. गंगासिंह जी ने बॉय स्काउट एसोसिएशन के तहत अपनी रियासत में स्काउट गतिविधि के सुचारू संचालन के लिए कई कदम उठाये। इसी के तहत सन् 1 मार्च 1937 में बीकानेर स्टेट बॉय स्काउट उसोसिएशन के संस्थापक श्री गुरूप्रसाद श्रीवास्तव को इसका दायित्व सौंपा गया। 8 अक्टूबर 1942 को महाराजा गंगासिंह जी ने बॉय स्काउट ऑफ एसोसिएशन ऑफ बीकानेर का चार्टर जारी किया। राजस्थान के एकीकरण पश्चात तथा भारत स्काउट व गाइड के गठन पर गुरू प्रसाद जी ने बीकानेर के प्रथम सहायक राज्य संगठन आयुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दी। गुरू प्रसाद जी ने 30 जून 1957 तक अपनी सेवाएं इस आन्दोलन को प्रदान कर कई सोपान हांसिल किये।

गुरू प्रसाद सक्सैना ने 22 वर्ष की उम्र में 14 अप्रेल 1922 को कुँए में डूबती सात साल की बच्ची को बचाया था। इस साहस एवं वीरता पूर्ण कार्य के लिए 22 जनवरी 1923 को लार्ड बैडेन पावेल द्वारा आपको 'सिल्वर क्रॉस फॉर गैलेन्ट्री' अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस घटना का जिक्र बैडेन पावेल ने अपनी पुस्तक 'स्काउटिंग फॉर बॉयज़ इन इण्डिया' के एक संस्करण में पृष्ठ संख्या 248 'सेविंग लाइफ' पर किया है जो सुधी पाठकों के लिए अक्षरशः निम्नांकित है–

"In addition to our medal Scout Cox was also awarded a medal by the Royal Humane Society for his plucky act.

And here is another case which occurred in the United Provinces in India :-

On April 14th, 1922, a seven-year-old girl fell into a well. Near the house lived an Indian Boy Scout, Gur Prasad.

Prasad, who was sitting in a room near the well, heard a splash and rushed to the rescue. He lowered a rope, but the child had lost her senses through fright and did not grasp it. Prasad therefore tied the rope to an iron beam over the well, and by its aid slipped down to the surface of the well and dived in, brought the child to the surface, tied the rope round her and dragged her out and handed her over to her parents safe and sound.

Scout Prasad, in descending into the well, injured his right hand so severely that he could not go in for an Examination the following week, But he had saved the life of a fellow-being and had well earned the Silver Cross of the Scouts which was awarded to him."

राजस्थान के बीकानेर जिले के गुरूप्रसाद जी को यह अवार्ड मिलना और बैडेन पावेल द्वारा लिखित पुस्तक में इसका जिक्र होना न सिर्फ राजस्थान अपितु भारतीय स्काउटिंग के लिए गौरव की बात है।

प्रशिक्षण

ट्रेनिंग काउन्सलर्स के दायित्व व कर्त्तव्य

प्रस्तोता–स्काउटर नानालाल अहारी

1. भूमिका– ग्रुप व स्थानीय संघ के बीच प्रभावशाली समन्वय की कड़ी के रूप में कार्य करना।
2. उत्तरदायी किसके प्रति– प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर, जिला कमिश्नर, सर्कल आर्गेनाइजर, सहायक राज्य संगठन आयुक्त ।
3. उत्तरदायीय किसके लिए– 1. ग्रुप की सम्भाल 2. यूनिट लीडर को व्यक्तिगत सहायता 3. यूनिट लीडर को अनौपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
4. यूनिट लीडर को स्व प्रशिक्षण हेतु प्रेरित करना।
5. यूनिट के विकास व प्रगति में सहयोग।
6. अपने सम्बन्धित यूनिट्स की गणना एकत्रित करना व उनके अग्रसर की व्यवस्था करना।
7. यूनिट लीडर की पूर्ण जानकारी सहित सूची तैयार करना व उनकी उत्तरोत्तर प्रशिक्षण में सहयोग करना।
8. कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड, रोवर/रेंजर के एवार्ड व दक्षता बैज हेतु अनुशंषा करना।
9. यूनिट के कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड, रोवर/रेंजर के लिए बैज कमेटी द्वारा नियुक्ति, प्रशिक्षण एवं परीक्षण की व्यवस्था करना।
10. ग्रुप शिविरों को प्रभावी बनाना।
11. आपस में इन्टर ग्रुप विजिट कराना।
12. जो स्काउट/गाइड बैज एवं एवार्ड हेतु चयनित हो उन्हें, ''बैज व एवार्ड'' दिलवाने की मदद करना।
13. यूनिट के कार्य व प्रगति की रिपोर्ट से प्र. सहायक जिला कमिश्नर, सर्कल आर्गेनाइजर, जिला कमिश्नर, सहायक राज्य संगठन आयुक्त को अवगत कराना।
14. यूनिट को प्रधानमंत्री शील्ड/उपराष्ट्रपति शील्ड प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करना व कार्यों में मदद प्रदान करना।
15. लक्ष्य व अपेक्षाएं
    - कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड विभाग के प्रत्येक ट्रेनिंग काउन्सलर्स की संभाल में 6 से 10 ग्रुप हों।
    - रोवर/रेंजर विभाग के प्रत्येक ट्रेनिंग काउन्सलर्स की संभाल में 8 ग्रुप हो।
    - प्रत्येक ट्रेनिंग काउन्सलर्स साधारणतः अपने क्षेत्र के समस्त ग्रुपों की वर्ष में दो बार माह अगस्त व जनवरी में संभाल करे एवं विजिट रिपोर्ट प्र. सहा. जिला कमिश्नर व जिला मुख्यालय एवं ग्रुप के संस्था प्रधान को अपेक्षित कार्यवाही हेतु भिजवाये।
    - अपने क्षेत्र के लिए वार्षिक, अर्द्धवार्षिक एवं त्रैमासिक रैलियों का आयोजन करे और प्रतिवेदन प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर, जिला मुख्यालय व सम्पादक स्काउट गाइड ज्योति, राज्य मुख्यालय जयपुर को भिजवावें।
    - स्थानीय संघ द्वारा आयोजित वार्षिक पर्वों में अपने क्षेत्र से अधिक ग्रुपों को सम्मिलित करावें।
    - स्थानीय संघ द्वारा निर्धारित कार्यक्रम शिविर, रैली में कम से कम किसी एक का संचालन करें एवं सभी कार्यक्रमों शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लें।
    - अपने क्षेत्र के प्रत्येक पैक, फ्लॉक से वर्ष में तीन 72 घंटे भलाई के कार्यों, ग्रुप/कम्नी में 480 घंटे व क्रू टीम में कम से कम 720 घंटे सामूहिक रूप से मेलों आदि में या अन्य प्रकार के सेवा कार्य करावें तथा सहयोग एवं योगदान दें।
    - अपने क्षेत्र के समस्त ग्रुपों से पुरानी बकाया व वर्तमान सत्र की कोटामनी, गणना फार्म, संस्था सदस्यता शुल्क, स्थानीय संघ में भिजवाये।
    - अपने क्षेत्र में कम से कम दो नये ग्रुप पंजीकृत करावे। (विद्यालयों में पंजीकरण करावे)
    - निष्क्रिय यूनिट्स को सक्रिय करना सभी तरह के प्रयास।
    - एक आजीवन व 5 साधारण सदस्य मण्डल के बनवाना।
    - क्षेत्र के सभी युनिट द्वारा उद्योग पर्व 100 प्रतिशत अर्जित करवाकर स्थानीय संघ, जिला, मण्डल, राज्य को हिस्सा भिजवाना।
    - ट्रेनिंग काउन्सलर स्वयं जिस संस्था से है ग्रुप को सक्रिय बनावे।
    - प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता हेतु कम से कम 3 ग्रुपों को पंजीकृत करवाये। वर्ष के अंत में उपलब्धियों की लॉग बुक भिजवाये।
    - स्काउट/गाइड ज्योति के अपने सहित 5 ग्राहक बनाये।

लोकार्पण - अभिनन्दन - पौधारोपण

जिला सीकर में स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र बनाथला पर दिनांक 8 सितम्बर 2023 को विधायक कोटे से बनाए गए सभा भवन का लोकार्पण विधायक दातारामगढ़ श्री वीरेंद्र सिंह जी ने किया।

इस अवसर पर स्थानीय संघ के पदाधिकारियों एवं स्काउटर गाइडर ने विधायक महोदय का माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया।

18वां स्वतंत्र रोवर दल, आदर्श नगर, अजमेर के ग्रुप लीडर श्री सोहन लाल कटारिया के 104 वर्ष पूर्ण होने पर उनके जन्मदिन के अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी एवं सी.ओ. स्काउट मनमोहन स्वर्णकार ने श्री कटारिया का सम्मान करते हुए उन्हें माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनकी दीर्घायु की कामना के साथ आशीर्वाद प्राप्त किया।

मारो पाली हरियालो पाली एवं मतदाता जागरूकता स्वीप के अंतर्गत राजकीय बांगर उच्च माध्यमिक विद्यालय में संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदना सिंघवी एवं जिला कलक्टर पाली श्री नमित मेहता की अध्यक्षता में 4000 पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता की शपथ दिलवाई गई और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त श्री टीम्माराम मीणा सहित समस्त तदर्थ कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने रोवर्स रेंजर्स स्काउट गाइड के साथ विशाल स्तर पर वृक्षारोपण किया। प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर श्री वसंत परिहार, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर गाइड श्रीमती सुनीता जोनवाल ने समस्त कार्यक्रम का संयोजन किया।

माधोगढ़ की गाइड्स बनी फौजियों की बहनें

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ बस्सी, जिला जयपुर की गाइड कम्पनी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोगढ़ की गाइड्स ने अपने हाथ से राखी तैयार कर फौजी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु की कामना की।

रक्षाबंधन से पूर्व 27 अगस्त को चार फौजी भाइयों को विद्यालय में आमंत्रित कर विधायक बस्सी लक्ष्मण मीना एवं प्रधान तुंगा कृष्ण अवतार मीना की उपस्थिति में एक भव्य समारोह आयोजित कर फौजी भाइयों की कलाई पर बालिकाओं ने राखी बांधी, साथ ही घरेलू संसाधनों से हस्त निर्मित 100 राखियों का पैकेट भी सीमा पर डटे फौजी भाइयों के लिए भिजवाया गया।

गाइड कम्पनी लीडर एवं प्रधानाचार्य शिव शंकर प्रजापति ने बताया कि स्थानीय विद्यालय की गाइड्स ने फौजी भाइयों एवं आगंतुक अतिथियों के सम्मान में मुख्य द्वार पर स्काउट सैल्यूट के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। रक्षाबंधन कार्यक्रम की पश्चात बालिकाओं ने फौजी भाइयों से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बालमन की जिज्ञासाओं का समाधान किया। फौजी भाइयों के सम्मान में बालिकाओं ने फौजी वर्दी में देशभक्ति नृत्य भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर लगभग 200 ग्रामवासियों की सहभागिता रही जिन्होंने इस नवाचार की भूरि– भूरि प्रशंसा की।

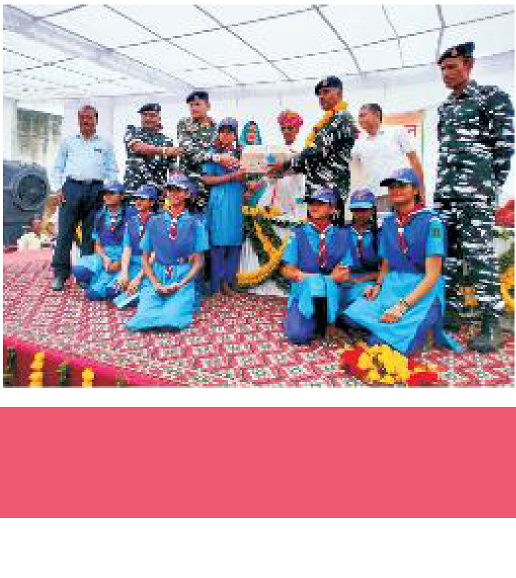

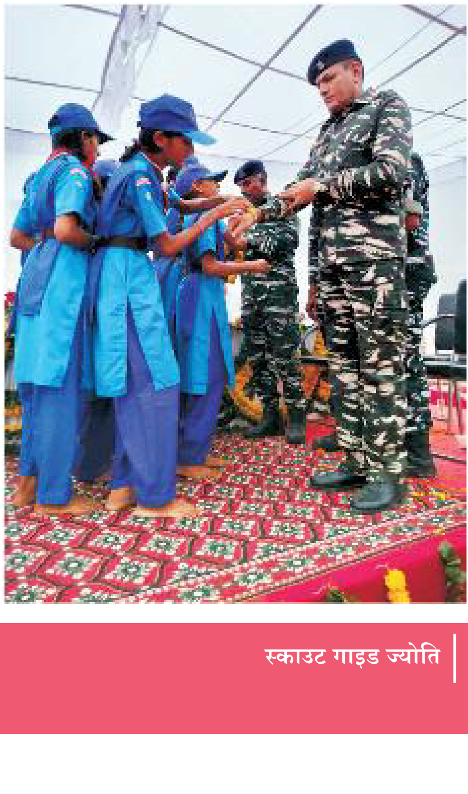

विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

विद्यार्थी को चाहिए कि विद्यालय में रहकर विद्यालय के बनाए सभी नियमों का पालन करे। अध्यापकों द्वारा पढ़ाए जा रहे सभी पाठों को अध्ययन पूरे मन से करना चाहिए क्योंकि विद्यालय का जीवन व्यतीत करने के उपरांत जब छात्र सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है तो उसे कदम-कदम पर अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता होती है। यदि विद्यर्थियों में अनुशासन नहीं होगा तो समाज की दशा बिगड़ेगी और यदि समाज की दशा बिगड़ेगी तो देश कैसे उससे अछुता रहेगा।

समाज की सहायता के बिना मानव जीवन का अस्तित्व असम्भव है। सामाजिक जीवन को सुख संपन्न बनाने के लिए कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है। इन नियमों को हम सामाजिक जीवन के नियम कहते हैं। इनके अंतर्गत मनुष्य व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से नियमित रहता है तो उसके जीवन को अनुशासित जीवन कहते हैं। हमारे जीवन मे 'अनुशासन' एक ऐसा गुण है, जिसकी आवश्यकता मानव जीवन में पग–पग पर पड़ती है। अनुशासन ही मनुष्य को एक अच्छा व्यक्ति व एक आदर्श नागरिक बनाता है।

'अनुशासन सफलता की कुंजी है'– यह किसी ने सही कहा है। अनुशासन मनुष्य के विकास के लिए बहुत आवश्यक है। यदि मनुष्य अनुशासन में जीवन–यापन करता है, तो वह स्वयं के लिए सुखद और उज्जवल भविष्य की राह निर्धारित करता है। अनुशासन मानव–जीवन का आवश्यक अंग है। मनुष्य को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह खेल का मैदान हो अथवा विद्यालय, घर हो अथवा घर से बाहर कोई सभा–सोसायटी, सभी जगह अनुशासन के नियमों का पालन करना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का महत्व है। अनुशासन से धैर्य और समझदारी का विकास होता है।

परिवार अनुशासन की आरंभिक पाठशाला है। अनुशासन का पाठ बचपन से परिवार में रहकर सीखा जाता है। बचपन के समय में अनुशासन सिखाने की जिम्मेदारी माता–पिता तथा गुरूओं की होती है। एक सुशिक्षित और शुद्ध आचरण वाले परिवार का बालक स्वयं ही नेक चाल–चलन और अच्छे आचरण वाला बन जाता है। माता–पिता की आज्ञा का पालन उसे अनुशासन का प्रथम पाठ पढ़ाता है। परिवार के उपरांत अनुशासित जीवन की शिक्षा देने वाला दूसरा स्थान विद्यालय है। शुद्ध आचरण वाले सुयोग्य गुरुओं के शिष्य अनुशासित आचरण वाले होते हैं। ऐसे विद्यालय में बालक के शरीर, आत्मा और मस्तिष्क का संतुलित रूप से विकास होता है।

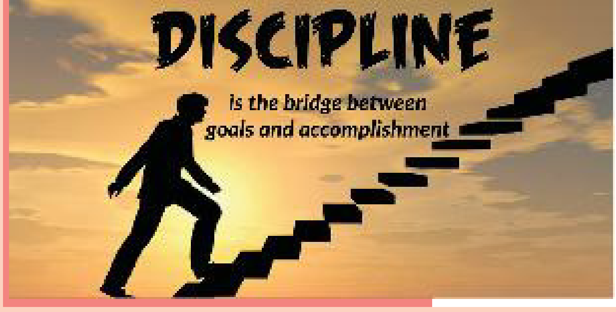

विद्यार्थी समाज की एक नव–मुखरित कली है। इन कलियों के अंदर यदि किसी कारणवश कमी आ जाती है तो कलियाँ मुरझा ही जाती हैं, साथ–साथ उपवन की छटा भी समाप्त हो जाती है। यदि किसी देश का विद्यार्थी अनुशासनहीनता का शिकार बनकर अशुद्ध आचरण करने वाला बन जाता है तो यह समाज किसी न किसी दिन आभाहीन हो जाता है। विद्यार्थी देश का मुख्य आधार स्तंभ है। यदि इनमें अनुशासन की कमी होगी, तो हम सोच सकते हैं कि देश का भविष्य कैसा होगा। विद्यार्थी के लिए अनुशासन में रहना और अपने सभी कार्यो को व्यवस्थित रूप से करना बहुत आवश्यक है।

विद्यार्थी को चाहिए कि विद्यालय में रहकर विद्यालय के बनाए सभी नियमों का पालन करे। अध्यापकों द्वारा पढ़ाए जा रहे सभी पाठों को अध्ययन पूरे मन से करना चाहिए क्योंकि विद्यालय का जीवन व्यतीत करने के उपरांत जब छात्र सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है तो उसे कदम–कदम पर अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता होती है। यदि विद्यर्थियों में अनुशासन नहीं होगा तो समाज की दशा बिगड़ेगी और यदि समाज की दशा बिगड़ेगी तो देश कैसे उससे अछुता रहेगा। अनुशासनहीन व्यक्ति केवल अपने लिए ही नहीं, समस्त देश व समाज के लिए घातक सिद्ध होता है। अनुशासित विद्यार्थी अनुशासित नागरिक बनते हैं एवं अनुशासित नागरिक एक अनुशासित समाज का निर्माण करते हैं।

अनुशासन का वास्तविक अर्थ अपनी दूषित और दूसरों को हानि पहुँचाने वाली प्रवृत्तियों पर नियंत्रण करना है। अनुशासन के लिए बाहरी नियंत्रण की अपेक्षा आत्मनियंत्रण करना अधिक आवश्यक है। वास्तविक अनुशासन वही है जो कि मानव की आत्मा से सम्बन्ध हो क्योंकि शुद्ध आत्मा कभी भी मानव को अनुचित कार्य करने को प्रोत्साहित नहीं करती।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला अजमेर की कार्यकारिणी सभा संपन्न हुई। कार्यकारिणी सभा की अध्यक्षता जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री ओम शंकर वर्मा

द्वारा की गई एवं मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा अजमेर श्री राजेंद्र जी शर्मा ने मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर वर्ष के दौरान किये गये कार्यों की समीक्षा की गई तथा निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं पर सभा के सदस्यों ने विचार–विमर्श कर उचित निर्णय लिये।

जयपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 28 अगस्त को स्थानीय संघ सीकर, शिवसिंहपुरा व धोद के राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने स्वीप कार्यक्रम मतदाता जागरूकता के तहत देव विद्यालय सीकर से जागरूकता रैली निकाली। राजस्थान स्काउट गाइड के राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) बन्ना लाल, देव विद्यालय सीकर की प्रधानाचार्या डॉ मोनिका, बसंत

कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी सीओ गाइड, सचिव किशन लाल सियाक, सचिव स्थानीय संघ सीकर महेंद्र कुमार पारीक ने रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। स्काउट गाइड सदस्य मतदाता जागरूकता के नारा लगाते हुए देव विद्यालय से पिपराली सर्किल, पिपराली रोड, नाला का बालाजी व विभिन्न कॉलोनी में से होकर 8 किलोमीटर की जन चेतना रैली निकाल कर विद्यालय पहुंचे। एलिताब धोबी, देवीलाल, नंदिरा परवीन, कविता दानोदिया, मुकेश कुमार भूकर, अमन कुमार, महेंद्र सिंह, कोमल शर्मा, ओम प्रकाश रेगर सहित 33 विद्यालयों के स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने भाग लिया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय सीकर पर 5 सितम्बर को बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी सी ओ गाइड, किशन लाल सियाक सचिव स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के नेतृत्व में सरोज लोयल व्याख्याता एवं गाइड कैप्टन डाइट सीकर के मुख्य आतिथ्य में शिक्षक दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर देश के पूर्व राष्ट्रपति एवं शिक्षक सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर धूप, दीप, पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा पूर्व महामहिम राष्ट्रपति जी के जीवन पर सभी ने प्रकाश डाला। श्री कल्याण उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर के स्काउट एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय की रेंजर्स ने भाग लिया व उपस्थित शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर स्काउट गाइड मुख्यालय पर श्रमदान किया गया।

जोधपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन श्रीमान संयम जी लोढा सलाहकार मुख्यमंत्री व विधायक शिवगंज एवं सिरोही के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर विधायक महोदय का स्काउट गाइड द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर, कलर पार्टी और बैंड द्वारा स्वागत किया गया। विधायक महोदय ने स्काउट गाइड

जिला मुख्यालय पर चार हट बनवाने के लिए 10 लख रुपए की घोषणा की। प्रारंभ में सीओ स्काउट एम.आर. वर्मा ने अतिथियों का स्वागत कर जिले में संचालित स्काउट गाइड गतिविधियों से अवगत कराया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के पदाधिकारियों द्वारा 23 अगस्त को संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी से शिष्टाचार भेंट की गई। राज्य मुख्यालय जयपुर की ओर से श्री महेंद्र सिंह राठौड़ संयुक्त राज्य सचिव ने स्कार्फ

और बुके भेंट कर संभागीय आयुक्त का अभिनंदन किया। सी. ओ. स्काउट गोविन्द मीना ने 18वीं राष्ट्रीय स्काउट जंबुरी का स्मृति चिन्ह भेंट कर जिले की स्काउट गाइड गतिविधियों से अवगत कराया। संभागीय आयुक्त महोदया ने पाली जिले की स्काउट गाइड गतिविधियों, संख्यात्मक और गुणात्मक स्तर पर विस्तार से चर्चा की तथा नवाचारों को समाहित करते हुए प्रभावी गतिविधियों के आयोजन करने तथा नवगठित संभाग पाली की संभाग स्तरीय गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर सम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

कोटा मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला बारा के जिला संगठन आयुक्त स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा द्वारा बारां जिले के विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधि सुचारू रूप से संचालित हो इसके अंतर्गत 9 सितम्बर को निजी विद्यालय जय श्री शारदे मां विद्यालय के बालक बालिकाओं को संगठन की महत्ता एवं

विशेषता बताते हुए सभी बालक बालिकाओं को स्काउट संगठन से जुड़कर संस्कारवान एवं समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर हेड क्वार्टर कमिश्नर भैरूलाल भास्कर, सहायक सचिव उदय सिंह गुर्जर ने भी बताया कि स्काउट संगठन से जुड़ने पर बालक बालिकाओं में शारीरिक मानसिक आध्यात्मिक चारीत्रिक विकास के माध्यम से समाज एवं देश सेवा के लिए सुनागरिक बनने का एक सुनहरा अवसर प्राप्त होता है। श्री चित्तौड़ा ने बताया कि सितंबर एवं अक्टूबर में जिले के सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों में स्काउट संगठन से सभी बालक बालिकाओं को जोड़ते हुए समाज एवं देश सेवा के लिए तैयार किया जाएगा। निजी विद्यालय में कार्यक्रम के दौरान सीनियर रोवर कमलेश मीणा ने सभी बालक बालिकाओं को खेल खिलाकर उनका मनोरंजन किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय बारां के तत्वावधान में संचालित स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में 4 सितम्बर को स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मृदुल भवन से मनिहारा मंदिर तक मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मनिहारा स्थित अटल वाटिका में स्काउट गाइड ने श्रमदान किया।

शिविर संचालक एवं जिला कमिश्नर एडल्ट रिसोर्स अमजद यूसुफी ने बताया कि मतदाता जागरूकता रैली को जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली मृदुल भवन से शुरू होकर रेलवे ओवरब्रिज होते हुए मनिहारा मंदिर तक पहुंची। रैली में

स्काउट गाइड्स मतदान जागरूकता संबंधी तख्तियाँ एवं बैनर लेकर चल रहे थे। इस अवसर पर प्रदीप चित्तौड़ा ने कहा कि आगामी पखवाड़े में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत स्काउट गाइड की पोस्टर, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा ने सभी शिविर संभागियों को मतदान आवश्यक रूप से करने एवं मतदाताओं को जागरूक करने संबंधी शपथ भी दिलवाई। सहायक सचिव उदय सिंह गुर्जर द्वारा उपस्थित स्काउट गाइड को आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान दिवस के दिन वालंटियर कार्य एवं योगासन व बेडेन पावेल के व्यायाम का प्रशिक्षण दिया गया।

उदयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ कुंभलगढ़ के प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा कुंभलगढ़ के प्रमिल कुमार, आर.पी. पृथ्वी सिंह झाला, ललित श्रीमाली, सचिव मुरलीधर नागौरी एवं सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) राकेश टॉक के नेतृत्व में स्थानीय संघ कुम्भलगढ के महाराणा कुंभा केलवाड़ा, मॉडल विद्यालय केलवाड़ा, कुंचौली, कड़िया, वरदडा, आंतरी विद्यालय के 50 स्काउट्स एवं 10 स्काउटर मुरलीधर नागौरी, राकेश टॉक, विक्रम सिंह शेखावत, शेर सिंह सैनी, मक्खनलाल कुमावत, बालू सिंह, खेम चन्द्र शर्मा, प्रेमराज मीणा, मुकेश असावा, दल्ला राम भील के नेतृत्व में 1100 घंटे की सेवाएं मेले में दी।

स्काउट्स ने मेले में भोजन प्रसादी वितरण, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, यातायात विभाग तथा ट्रस्ट द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय भजन संध्या में सम्मान सामग्री एवं सम्मान प्रतीक वितरण, भीड़ नियंत्रण, बैठक व्यवस्था एवं दर्शनार्थियों की लाइनों को व्यवस्थित करने में अपनी अहम सेवाएं प्रदान की।

श्री परशुराम महादेव सेवा मंडल ट्रस्ट द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विशाल भजन संध्या एवं मेले में स्काउट्स की सेवाओं से प्रभावित होकर ट्रस्ट के अध्यक्ष गणेश सिंह परमार पूर्व विधायक विधानसभा कुंभलगढ़ ने स्काउट्स टीम के सभी सदस्यों को परशुराम महादेव की तस्वीर, प्रशस्ति पत्र व महादेव का उपरना ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मेला मजिस्ट्रेट जयपाल सिंह राठौड़, युवा नेता योगेंद्र सिंह परमार, हेरिटेज सोसायटी के सचिव कुबेर सिंह सोलंकी, राष्ट्रीय शिक्षक संघ के सभा अध्यक्ष रोशन लाल टांक, मेला व्यवस्थापक वरदी सिंह खरवड, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष तरुण शर्मा ने स्काउट्स द्वारा की गई निःस्वार्थ सेवाओं की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए टीम के सदस्यों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

- भारत स्काउट व गाइड, प्रतापगढ़ जिले का स्काउट गाइड राज्यपाल पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर दिनांक 25 से 29 अगस्त 2023 तक स्पोर्ट इण्डोर हॉल खेल गांव प्रतापगढ़ पर आयोजित किया गया। सी.ओ गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि शिविर के प्रथम दिवस का ध्वजारोहण नरेन्द्र सिह सिसोदिया प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झासड़ी ने किया। ध्वारोहण करते हुए उन्होंने कहा कि स्काउट सेवा का

पर्याय हैं। हमें हमेशा बुजुर्ग, असहाय एवं वृद्धजन की सेवा करते रहना चाहिए। उन्होने स्काउट गाइड को शुभकामना देते हुए कहा कि स्काउट गाइड एक ऐसा संगठन है जो बालक–बालिकाओं का सर्वागिण विकास करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने स्काउट गाइड रोवर रेंजर से अपील की कि अधिकाधिक जन सेवा के कार्य एवं प्रशासन के कार्यों में पूर्ण सहयोग करें। शुभारम्भ दैनिक जागरण से हुआ। इसके पश्चात स्काउट गाइड को व्यायाम के तरीके एवं व्यायाम सिखाया गया व कैम्प परिसर में स्काउट गाइड द्वारा सेवाकार्य में शिविर स्थल की सफाई की गई।

ध्वजारोहण श्री महेशसिंह जाड़ावत द्वारा किया गया। श्री जाड़ावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्काउटिंग गाइडिंग की सरहाना की व बताया कि अपने छात्र जीवन में स्काउट के द्वारा ही बैण्ड का संचालन एवं वादन सिखा साथ ही अन्य कार्यो में भी योग्यताएं हासिल की।

शिविर संचालक पुरूषोत्तम लाल मोड़ ने शिविर की जानकारी विस्तार पूर्वक दी। शिविर के ध्वजारोहण के पश्चात प्रशिक्षण

प्रारम्भ हुआ, जिसमें प्रार्थना, प्रतिज्ञा, नियम, झण्डा गीत, अनेक प्रकार के ध्वज, टोली गठन की जानकारी, अनेक प्रकार की गांठे आदि की जानकारी प्रशिक्षक श्री विरेन्द्र मोहन वशिष्ठ, आनन्दीलाल ठाकुर, मंगलेश कुमार शर्मा, रमन कुमार गहलोत, जनार्दन प्रसाद शर्मा, जनार्दन पाण्डेय, मुकेश कुमार सुमन, गिरवरलाल सुमन, हीरालाल मालवीय, प्रवीणसिंह भाटी, रमेशचन्द्र मीणा, मांगीलाल मीणा, गौतमलाल मीणा, मानसिंह देवडा, उकारलाल मीणा, योगेश कुमार जाटव, प्रमोद प्रजापत, बाबुलाल मीणा, प्रेमशंकर मीणा, प्रशिक्षिका श्रीमती अलका सोलंकी, यशोदा सोनी, शरदबाला पालीवाल, सुश्री कर्मा मीणा आदि ने प्रदान कर अपना सहयोग दिया।

- भारत स्काउट व गाइड, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में संचालित राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिवस 28 अगस्त को स्वीप कार्यक्रम के तहत स्काउट गाइड ने मतदाता जागरूता रैली निकाली। रैली को स्टेडियम से प्रहलाचन्द्र पारीक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रतापगढ़ एवं कृपानिधि त्रिवेदी प्राचार्य डाईट प्रतापगढ़ ने हरी झण्डी दिखाकर रवना किया।

इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य कृपानिधि त्रिवेदी ने कहा कि स्काउट गाइड हमेशा से सेवा कार्य में अग्रणी है। स्काउट गाइड के द्वारा प्रतापगढ़ जिले में किये जा रहे समाजोपयोगी कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट गाइड समाज सेवा के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। मतदाता जागरूता रैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्काउट गाइड रोवर रेंजर से कहा कि हमें इस अभियान को अनवरत जारी रखना होगा तथा आमजन को इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ चित्तौड़गढ़ द्वारा 02 सितम्बर को अभिनव एवं वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। स्थानीय संघ सचिव पंकज दशोरा ने बताया की स्थानीय संघ चित्तौड़गढ़ द्वारा सत्र 2022–23 की उपलब्धियां तथा सत्र 2023–24 की वार्षिक योजना के निमित अभिनव एवं वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किला रोड स्थिति बीपी पार्क के सभागार में किया गया। आयोजन का आरम्भ माँ सरस्वती पूजन एवं स्काउट प्रार्थना से किया गया तत्पश्चात उपस्थित संस्था प्रधान, कार्यकारिणी सदस्य, आजीवन सदस्य, साधारण सदस्य, स्काउटर एवं गाइडर ने स्वपरिचय प्रदान किया। अतिथि का स्वागत स्काउट परम्परा के अनुसार स्कार्फ पहनाकर किया गया। सत्र 2022–23 के अधिवेशन का प्रतिवेदन पंकज दशोरा द्वारा वाचन किया गया। कोषाध्यक्ष राजकुमार सुखवाल द्वारा 2022–23 का आय व्यय लेखों की पुष्टि की गई। 2023–24 की अनुमानित आय व्यय का साधारण सभा द्वारा अनुमोदन किया गया तथा ऑडिटर की नियुक्ति की गई।

  उपस्थित संस्था प्रधानों का आमुखीकरण करने के लिए आयोजन के दौरान कब बुलबुल, स्काउट गाइड, संस्थाप्रधानों के दायित्व आदि के बारे में क्रमशः स्काउटर देवकीनन्दन वैष्णव, एएलटी चतर सिंह राजपूत, एलटी इन्द्रलाल आमेटा ने वार्ताएं दी।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला चित्तौड़गढ़ के प्रशिक्षण केन्द्र बी.पी. पार्क, किला रोड चित्तौड़गढ़ पर दिनांक 02 से 06 सितंबर 2023 तक संचालित जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट–गाइड एवं रोवर–रेंजर प्रशिक्षण शिविर के दौरान मंगलवार 5 सितम्बर को मुख्य अतिथि मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा व मेवाड़ विश्वविद्यालय ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी के आतिथ्य में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्काउट एक ऐसा करिश्माई प्रशिक्षण है

जिससे बच्चे इन शिविर के माध्यम से सिखाए जाने वाले सारी बातों को सीख कर अपने जीवन को उज्जवल बनाते हैं। साथ ही वह समाज और देश के विकास में भागीदार बनते हैं। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया द्वारा मेवाड़ क्षेत्र में शिक्षा जगत में किये गए प्रयासों की सराहना की।

शिविर के छात्र–छात्राओं ने मुख्य अतिथि डॉ. मिश्रा से कॅरिअर से सम्बंधित सवाल–जवाब भी किये जिसके मुख्य अतिथि ने सन्तोषप्रद जवाब भी दिए। जब एक छात्रा ने सवाल

किया कि महोदय आपने भी स्कूल के दिनों में स्काउट कैम्प में भाग लिया था क्या? तो मुख्य अतिथि ने अपने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि आज मेरे व्यक्तित्व में स्काउट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसकी वजह से मैं जीवन में संघर्षो का सामना करते हुए आगे बढ़ा। उन्होंने स्कूल के दिनों की यादें भी बच्चों से सांझा की और अपने जीवन के अनुभव भी बताए और जीवन में सफल होने के गुर भी बताए।

इस अवसर पर उपस्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्काउट की गतिविधियों के माध्यम से छात्र–छात्राओं में अनुशासन गुणों का विकास कर उनका व्यक्तित्व विकास होता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साथ आत्मनिर्भर बनने के लिए कला–कौशल का विकास भी करना चाहिए। इससे पूर्व प्रातः 9 बजे आरंभ हुए शिविर के पहले सत्र में प्रार्थना व झंडा गीत के पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात अतिथियों ने शिविर का अवलोकन किया। स्काउट गाइड पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। स्काउट गाइड ने गार्ड ऑफ ऑनर एवं जनरल सैल्यूट द्वारा अतिथियों को सम्मान दिया।

इस अवसर पर शिविर संचालक चतर सिंह राजपूत, गोपाल कृष्ण शर्मा, प्रशिक्षक स्काउट सत्यनारायण सोमाणी, लक्ष्मीलाल आचार्य, सत्यनारायण शर्मा, हजारीलाल रेगर, मनोज कुमार, पंकज दशोरा, भगवती लाल शर्मा, शीला दशोरा, शोभना शर्मा, रेखा कुमावत, सोनाली साहू, सर्विस रोवर युवराज तम्बोली, जसवंत बहादुर, स्काउट निर्मल सिंह, सावरिया गुर्जर, भगत भूल, रेंजर सुंदर बुनकर, सुरभि बिश्नोई, रिया सोनी, दिशा पारीक अन्य स्काउटर गाइडर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गोपाल कृष्ण शर्मा एवं आभार चतर सिंह राजपूत ने किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला चित्तौड़गढ़ के प्रशिक्षण केन्द्र बी.पी. पार्क, किला रोड चित्तौड़गढ़ पर दिनांक 02 से 06 सितंबर 2023 तक संचालित जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट–गाइड एवं रोवर–रेंजर प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ

दिवस के अवसर पर सांय कालीन सत्र में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता जनचेतना रैली निकाली गई। मुख्य अतिथि राकेश पुरोहित ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि विद्यार्थियों के लिए आने वाला समय चुनौती भरा है और उन्हें अपने समय का सदुपयोग अच्छे कार्य पर करना चाहिए जो उनके भविष्य के लिए बेहतर साबित हो।

जनसपंर्क व प्रचार–प्रसार हेडक्वार्टर कमिश्नर अमित चेचानी ने बताया कि मतदान जागरूकता रैली में मतदान अनिवार्य रूप से करें इस बात की प्रेरणा से विभिन्न नारों को बोलते हुए शहर के विभिन्न मार्गों पर होती हुई निकली। इस रैली को मुख्य अतिथि राकेश पुरोहित व प्रमोद कुमार दशोरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्काउट गाइड जिला मुख्यालय चित्तौड़गढ़ किला रोड से प्रारम्भ होकर पाडन पोल, लाल मठ, मिठाई बाजार, गाँधीचौक, गोलप्याउ से होते हुए खटीक मोहल्ला, ओछरी गेट से वापस किला रोड पर आकर समाप्त हुई। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद चित्तौड़गढ़ राकेश पुरोहित एवं अन्य अतिथियों ने रैली के साथ चलकर आमजन को मतदान के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मतदान करने से लोकतंत्र मजबूत होता है, साथ ही 18 वर्ष से ऊपर किशोर–किशोरियों को मतदाता सूची में अपना नाम जरूर लिखवाना चाहिए जिससे वह बेहतर लोकतंत्र बनाने में अपना सहयोग कर सकें।

◈ नव गठित जिला सलूंबर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला संगठन के सफल संचालन के लिए नव गठित

जिला सलूंबर के प्रथम जिला कलक्टर श्री प्रताप सिंह से 12 सितम्बर को सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र पाण्डे ने जिला सलूंबर के शिक्षा विभाग तथा स्थानीय संघ सलूंबर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट कर जिला कलक्टर को स्काउट गाइड जिला मुख्यालय कार्यालय भवन, प्रशिक्षण केन्द्र भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र के लिए भूखण्ड आवंटन तथा वर्तमान में वैकल्पिक जिला मुख्यालय कार्यालय संचालन व्यवस्था हेतु राजकीय भवन उपलब्ध करवाने, जिले में भारत स्काउट गाइड गतिविधियों के सक्रिय संचालन के लिए तदर्थ जिला कार्यकारणी समिति, जिला परिषद समिति गठन,

कार्यान्वयन, जिला वार्षिक अधिवेशन आदि के संबध में चर्चा कर आवश्यक विचार विमर्श किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड संगठन एवं शिक्षा विभाग सलूंबर से सुरेंद्र कुमार पाण्डे सी.ओ.स्काउट उदयपुर एवं अति.प्रभार जिला सलूंबर, श्री मांगीलाल गर्ग कार्य.वा. जिशि.अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय सलूंबर एवं पदेन जिला मुख्य आयुक्त स्काउट व मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी झल्लारा श्री कृष्णकांत पानेरी चेयरमैन स्थानीय संघ सलूंबर, श्री मणिलाल चाष्टा पूर्व सचिव स्था.संघ सलूंबर, श्री लवकुमार व्यास निदेशक लवकुश संस्थान, श्री भगवान लाल त्रिवेदी प्रधानाचार्य झल्लारा एवं पदेन सहायक जिला कमिश्नर स्काउट, श्री विजय कुमार चौधरी प्रधानाचार्य करावली एवं पदेन सहायक जिला कमिश्नर स्काउट, श्री अरुण कुमार चौबीसा युवा स्काउटर लवकुश संस्थान ने उपस्थित रहकर अपनी निष्णांत सेवाएं प्रदान कर जिले में भारत स्काउट गाइड संगठन की संचालन व्यवस्थाओं में अपनी महती भूमिका अदा की।

इस अवसर पर जिला कलक्टर महोदय को संगठन का स्कार्फ, मेवाड़ी परंपरा अनुसार मेवाड़ी पाग, उपरणा पहना पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। शिष्टाचार भेंट वार्ता एवं चर्चा के पश्चात जिला कलक्टर ने राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला संगठन को हर संभव सहयोग एवं संबल प्रदान करने तथा जिले में भारत स्काउट व गाइड प्रवृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वास दिलाया।

शिक्षा में स्काउटिंग का महत्व

प्रस्तोता–चाँद मोहम्मद कलर

शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक सहगामी प्रवृति है स्काउटिंग। जिससे जुडकर हर एक आयु वर्ग के बालक बालिका लाभान्वित होते है। 5–10 वर्ष तक की आयु वर्ग के बालक बालिका कब और बुलबुल कहलाते है। 10 से 18 साल तक के बालक स्काउट तथा बालिका गाइड की संज्ञा प्राप्त करती है। इसी प्रकार 16 से 25 वर्ष तक के युवा बालक रोवर एवं बालिका रेन्जर कहलाती है। विभिन्न आयु वर्ग की रूचियों एवं आवश्यकता को ध्यान में रखकर पाठयक्रम एवं गतिविधियां निर्धारित की गई है।

स्काउट गाइड प्रवृति बालक के सम्पूर्ण व्यक्तित्व में सहायक है। इनके पाठयक्रम में दक्षता बैजों के समावेश द्वारा विभिन्न सदगुणों का संधारण किया जाता है। दक्षता बैजों का वर्गीकरण स्वास्थ्य, कौशल, स्वावलम्बन और चरित्र आधारित है। जिनसें प्रभावित होते हुए बालक बालिका सम्पूर्ण विकास को प्राप्त कर एक सुयोग्य नागरिक बनता है।

1907 में राबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडेन पावेल ने बाउन सी द्वीप पर 20 बालकों के साथ स्काउटिंग प्रारम्भ की। जो वर्तमान में विश्व के लगभग 217 देशें में संचालित होकर विश्व का सबसे बडा वर्दीधारी संगठन है। जो विना जाति, धर्म, वर्ग, सीमाओं के सभी के लिए खुला अराजनैतिक संगठन है। सेवा की भावना का उदयोदय बाल मस्तिष्क में कर मानवीय संवेदनाओं का धारा प्रवाह समाज में बना रहे इस हेतु बालक बालिकाओं के लिए शिविरों एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

भारत स्काउट व गाइड की राज्य शाखा राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर राजस्थान शिक्षा विभाग की मुख्य सहशैक्षणिक गतिविधि है जिससे राजस्थान के शिक्षण संस्थान जुडकर अपने बालक बालिकाओं के व्यक्तित्व निमार्ण में अहम भूमिका निभाते है। शिविरों द्वारा विभिन्न गुणों का निर्माण एवं स्थायित्व बालक में पैदा होता है जो पुस्तकीय ज्ञान न होकर धरातलीय है। भारत भ्रमण, बाहरी एवं धरातलीय क्रीड़ाओं, वन भ्रमण द्वारा प्रकृति का सामिप्य, मेलों आदि द्वारा सेवा कार्य, समाज सेवा शिविरों द्वारा समाज से जुडाव, सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं में योगदान द्वारा बालक बालिकाएं स्वयं को वर्तमान समय के लिए उपयोगी एवं महत्वपूर्ण समझने लगता है और अपने कर्तव्य बोध के साथ राष्ट्र निर्माण में संलग्न होता है।

2009 की राष्ट्रीय जम्बूरी अहमदावाद में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि बालक जब स्काउटिंग में प्रवेश करता है तो अपनी गणवेश स्वयं के रूपयों से खरीद कर प्रवेश करता है। और वो देने की भावना से संगठन में प्रवेश करता है और जो देने की भावना से प्रवेश करता है वो लेना नहीं चाहता।

स्काउट गाइड अपनी योग्यता वृद्धि के तहत राज्य पुरस्कार के रूप में राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित होता है तत्पश्चात राष्ट्रपति पुरस्कार की ओर अग्रसर होता है। राष्ट्रपति अवार्ड में भारत के राष्ट्रपति महोदय द्वारा समारोह में सम्मानित किया जाता है। जिनका कई जगह सैद्वान्तिक फायदा स्काउट गाइड को होता है।

बोनस अंकों को दरकिनार रखते हुए आओं हम बालकों के बौद्धिक एवं चारीत्रिक विकास में सहायक हो कर उनके साथ स्काउट गाइड प्रवृतियों से जूडें।

स्काउटर, जैसलमेर

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में दक्षता बैज 'स्वच्छता प्रोत्साहक व मादक दवा जागरूकता' बैजों की जानकारी दी जा रही है।

स्वच्छता प्रोत्साहक
SANITATION PROMOTOR

वर्तमान में स्वच्छता ने देशव्यापि आन्दोलन का रूप ले लिया है। हमारे आस–पास को स्वच्छ रखने के लिए अनेक कार्य किये जा रहे है। स्काउट गाइड इस महती योजना में अपना भरपूर सहयोग दे रहे हैं। स्वच्छता के प्रति समाज व आमजन में अलख जगाने के लिए स्काउट गाइड स्वच्छता प्रोत्साहक की भूमिका निभाते हैं और इसके लिए उन्हें स्वच्छता प्रोत्साहक या उन्नायक का दक्षता बैज प्रदान किया जाता है।

इस बैज की प्राप्ति हेतु निम्न कार्य करने होते हैं –

ग्रुप लीडर द्वारा निर्धारित की गई बस्ती में जाकर सर्वेक्षण करें तथा निम्नलिखित रूप से लोगों की सहायता करे–

(1) (अ) पीने के लिए स्वच्छ जल का प्रयोग करना।

(ब) पानी को छानने, उबालने तथा सुरक्षित रखने की विधियों का प्रदर्शन करे।

(स) लकड़ी के कोयले (चारकोल) विधि द्वारा जल को छानने के प्रयोग का प्रदर्शन करें।

(2) अन्न को चूहों तथा कुतरने वाले अन्य जीवों से बचाना।

(3) पके हुए भोजन को मक्खियों, मच्छरों तथा धूल से बचाना।

(4) कूड़े–कचरे को समाप्त करने के सही तरीके को बताना तथा कम्पोस्ट गड्ढे के उचित प्रयोग करने को बताना।

(5) खुले में शौच करने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को शिक्षित करना।

(6) सस्ते और प्रभावी शौचालयों का निर्माण करवाना।

(7) स्वयं द्वारा तैयार किए गए हैण्डबिलों तथा पोस्टरों से तैयार कर उनकी मदद से न्यूनतम 25 घरों से सम्बन्धित लोगों को "हैल्थ–साल्ट" का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना।

मादक दवा जागरूकता
DRUG AWARENESS

युवा पीढ़ी को मादक पदार्थो से अवगत कराने और इसके दुष्परिणाम बताते हुए इनसे बचने के लिए किये जाने वाले उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से मादक दवा जागरूकता दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। नशे से बचना और बचाना इस बैज का अहम् हिस्सा है। मादक दवा जागरूकता दक्षता बैज का पाठ्यक्रम –

(1) विभिन्न प्रकार के मादक–पदार्थों व एकाधिकार प्राप्त या चोरी–छिपे बेचे जानी वाली दवाई जिनका दुरूपयोग किया जा सकता है, की जानकारी हो।

(2) अभ्यस्तता, निर्भरता, मुक्ति और सहनशक्ति जैसे शब्दों को समझे।

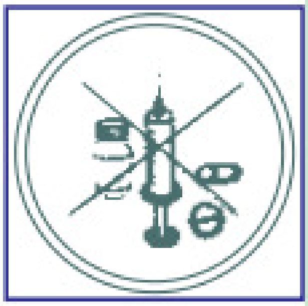

(3) मादक पदार्थों के प्रयोग से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरों को जाने।

(4) मादक पदार्थों की ओर लोग क्यों और कैसे आकृष्ट होते है, यह जाने।

(5) 'ड्रग जागरूकता' के कार्यक्रम की एक योजना तैयार करें।

(6) 'ड्रग' के अभ्यस्त लोगों को विभिन्न तरीकों से मिलने वाली सहायता के बारे में जाने।

हमारा स्वास्थ्य

थायराइड

कारण-लक्षण-उपचार

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

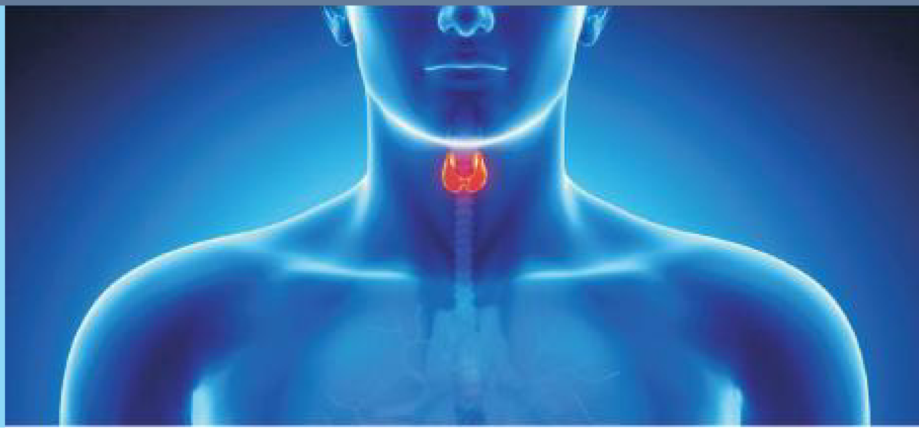

थायराइड एक तरह की ग्रंथि होती है जो गले में बिल्कुल सामने की ओर होती है। यह ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रण करती है। यानी जो भोजन हम खाते हैं यह उसे ऊर्जा में बदलने का काम करती है। इसके अलावा यह हृदय, मांसपेशियों, हड्डियों व कोलेस्ट्रोल को भी प्रभावित करती है। हम सभी यह जानना चाहते है कि आखिर क्या कारण हो सकते है जिनसे की थायराइड होता है पर इसके कारणों के बारे में अभी तक बहुत कम लोग जानते है। आइए हम आपको बताते है कुछ अतिसक्रिय कारण जो थायराइड में योगदान देते है।

थायराइड के कारण

1. थायरायडिस– यह सिर्फ एक बढ़ा हुआ थायराइड ग्रंथि (घेंघा) है, जिसमें थायराइड हार्मोन बनाने की क्षमता कम हो जाती है।

2. सोया उत्पाद– इसोफ्लावोन गहन सोया प्रोटीन, कैप्सूल, और पाउडर के रूप में सोया उत्पादों का जरूरत से ज्यादा प्रयोग भी थायराइड होने के कारण हो सकते है।

3. दवाएं– कई बार दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव (साइड इफैक्ट) भी थायराइड की वजह होते हैं।

4. ह्यपोथालमिक रोग– थायराइड की समस्या पिट्यूटरी ग्रंथि के कारण भी होती है क्योंकि यह थायरायड ग्रंथि हार्मोन को उत्पादन करने के संकेत नहीं दे पाती।

5. आयोडीन की कमी– भोजन में आयोडीन की कमी या ज्यादा इस्तेमाल भी थायराइड की समस्या में इजाफा करता है।

6. विकिरण थैरेपी– सिर, गर्दन और चेस्ट की विकिरण थैरेपी के कारण या टॉंसिल्स, लिम्फ नोड्स, थाइमस ग्रंथि की समस्या या मुंहासे के लिए विकिरण उपचार के कारण।

7. तनाव– जब तनाव का स्तर बढ़ता है तो इसका सबसे ज्यादा असर हमारी थायरायड ग्रंथि पर पड़ता है। यह ग्रंथि हार्मोन के स्राव को बढ़ा देती है।

8. परिवार का इतिहास– यदि आप के परिवार में किसी को थायराइड की समस्या है तो आपको थायराइड होने की संभावना ज्यादा रहती है। यह थायराइड का सबसे अहम कारण है।

9. ग्रेव्स रोग– ग्रेव्स रोग थायराइड का सबसे बड़ा कारण है। इसमें थायरायड ग्रंथि से थायरायड हार्मोन का स्राव बहुत अधिक बढ़ जाता है। ग्रेव्स रोग ज्यादातर 20 और 40 की उम्र के बीच की महिलाओं को प्रभावित करता है, क्योंकि ग्रेव्स रोग आनुवंशिक कारकों से संबंधित वंशानुगत विकार है, इसलिए थाइराइड रोग एक ही परिवार में कई लोगों को प्रभावित कर सकता है।

10. गर्भावस्था– थायराइड का अगला कारण है गर्भावस्था , जिसमें प्रसवोत्तर अवधि भी शामिल है। गर्भावस्था एक स्त्री के जीवन में ऐसा समय होता है जब उसके पूरे शरीर में बड़े पैमाने पर परिवर्तन होता है, और वह तनाव ग्रस्त रहती है।

11. रजोनिवृत्ति– रजोनिवृत्ति भी थायराइड का कारण है क्योंकि रजोनिवृत्ति के समय एक महिला में कई प्रकार के हार्मोनल परिवर्तन होते है। जो कई बार थायराइड की वजह बनती है।

आमतौर पर शुरुआती दौर में थायराइड के किसी भी लक्षण का पता आसानी से नही चल पाता, क्योंकि गर्दन में छोटी सी गांठ सामान्य ही मान ली जाती है। जब तक इसे गंभीरता से लिया जाता है, तब तक यह भयानक रूप ले लेता है। इसलिए हमें थायराइड के प्रारंभिक लक्षणों के बारे में पता होना चाहिए। आइये जानते हैं कि आखिर इस बीमारी के लक्षण क्या हैं।

थायराइड के प्रारंभिक लक्षण

कब्ज – थाइराइड होने पर कब्ज की समस्या शुरू हो जाती है। खाना पचाने में दिक्कत होती है। साथ ही खाना आसानी से गले से नीचे नहीं उतरता। शरीर के वजन पर भी असर पड़ता है।

हाथ–पैर ठंडे रहना – थाइराइड होने पर आदमी के हाथ पैर हमेशा ठंडे रहते है। मानव शरीर का तापमान सामान्य यानी 98.4 डिग्री फॉरनहाइट (37 डिग्री सेल्सियस) होता है, लेकिन फिर भी उसका

शरीर और हाथ–पैर ठंडे रहते हैं।

प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होना – थाइराइड होने पर शरीर की रोग–प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। इम्यून सिस्टम कमजोर होने के चलते उसे कई बीमारियां लगी रहती हैं।

थकान– थाइराइड के लक्षण में जल्द थकान होना भी शामिल है। उसका शरीर सुस्त रहता है। वह आलसी हो जाता है और शरीर की ऊर्जा समाप्त होने लगती है।

त्वचा का सूखना या ड्राई होना– थाइराइड से ग्रस्त व्यक्ति की त्वचा सूखने लगती है। त्वचा में रूखापन आ जाता है। त्वचा के ऊपरी हिस्से के सेल्स की क्षति होने लगती है जिसकी वजह से त्वचा रूखी–रूखी हो जाती है।

जुकाम होना – थाइराइड होने पर आदमी को जुकाम होने लगता है। यह नार्मल जुकाम से अलग होता है और ठीक नहीं होता है।

डिप्रेशन– थाइराइड की समस्या होने पर आदमी हमेशा डिप्रेशन में रहने लगता है। उसका किसी भी काम में मन नहीं लगता है, दिमाग की सोचने और समझने की शक्ति कमजोर हो जाती है। याद्दाश्त भी कमजोर हो जाती है।

बाल झड़ना– थाइराइड होने पर आदमी के बाल झड़ने लगते हैं तथा गंजापन होने लगता है। साथ ही साथ उसके भौहों के बाल भी झड़ने लगते है।

मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द– मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द और साथ ही साथ कमजोरी का होना भी थायराइड की समस्या के लक्षण हो सकते है।

परिवार का इतिहास– यदि आप के परिवार में किसी को थायराइड की समस्या है तो आपको थायराइड होने की संभावना ज्यादा रहती है।

शारीरिक व मानसिक विकास– थाइराइड की समस्या होने पर शारीरिक व मानसिक विकास धीमा हो जाता है।

अगर आपको ऐसे कोई भी लक्षण दिखाई दे तो तुरन्त अपने डाक्टर से संपर्क करें आपको थाइराइड समस्या हो सकती है। थाइराइड ग्रंथि गले में होती है। यह ग्रंथि होती तो बहुत छोटी है, लेकिन हमारे शरीर को स्वस्थ्य रखने में इसका बहुत योगदान होता है। थाइराइड इंडोक्राइन ग्रंथि है, जो कुछ हार्मोन के स्राव के लिए जिम्मेदार होती है। यदि थाइराइड ग्रंथि सही ढंग से काम करना बंद कर दे तो शरीर में कई समस्यायें शुरू हो जाती हैं। शरीर से हार्मोन का स्राव प्रभावित हो जाता है। लेकिन यदि थायराइड ग्रंथि कम या अधिक सक्रिय हो तब भी स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। इसलिए थाइराइड फंक्शन में सुधार के लिए कुछ प्राकृतिक तरीके अपनाये जा सकते हैं।

थायराइड फंक्शन बढ़ाने वाले आहार –

थायराइड ग्रंथि का फंक्शन सबसे ज्यादा खान–पान से प्रभावित होता है। अगर खाने में आयोडीन की मात्रा कम है तो इसका सीधा प्रभाव थायराइड ग्रंथि पर पड़ता है। इसलिए थाइराइड फंक्शन में सुधार के लिए भोजन में आयोडीन की मात्रा को निर्धारित कीजिए।

समुद्री जीवों में सबसे ज्यादा आयोडीन पाया जाता है। समुद्री शैवाल, समुद्र की सब्जियों और मछलियों में आयोडीन की भरपूर मात्रा होती है।

कॉपर और आयरन युक्त आहार के सेवन करने से भी डायराइड फंक्शन में बढ़ोत्तरी होती है। काजू, बादाम और सूरजमुखी के बीज में कॉपर की मात्रा होती है। हरी और पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा होती है।

इसके अलावा कई अन्य खाद्य–पदार्थ भी हैं जो थायराइड फंक्शन को मजबूत करते हैं। पनीर और हरी मिर्च तथा टमाटर थायराइड गंथि के लिए फायदेमंद हैं।

नारियल का तेल भी थायराइड फंक्शन में वृद्धि करता है।

थायराइड फंक्शन में वृद्धि करने वाली औषधियां –

थायराइड फंक्शन में सुधार करने के लिए औषधियां बहुत काम करती हैं। इसके अलावा औषधियां थायराइड से जुड़ी बीमारियों में भी बहुत फायदा करती हैं।

गोभी, ब्रोक्कोली, मूंगफली जैसे खाद्य–पदार्थ थायराइड फंक्शन को मजबूत करते हैं।

शिलाजीत थायराइड फंक्शन में वृद्धि करता है। शिलाजीत में 85 प्रकार के औषधीय तत्व होते हैं।

कचनारा (इसे बैंगनी पहाड़ी अबनूस भी कहते हैं) थायराइड फंक्शन को मजबूत करता है।

लीकोरिस, थायराइड ग्रंथि और ऊर्जा स्तर में संतुलन बनाता है।

जब थाइराइड ग्रंथि अंडर एक्टिव होती है तो इसे हाइपोथाइराइडिज्म कहते हैं और जब थाइराइड ग्रंथि ओवर एक्टिव होती है तो इसे हाइपरथाइराइडिज्म कहते हैं। इन दोनों स्थितियों में कई स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। इसलिए अगर आपको लगे कि आपकी थायराइड ग्रंथि ठीक से काम नहीं कर रही है तो चिकित्सक से संपर्क अवश्य कीजिए।

पर्यटन स्थल

कालीबंगा

हडप्पा संस्कृति का तीसरा बड़ा नगर

प्रस्तोता–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थल है। कालीबंगा हनुमानगढ़ जिले में स्थित है। यहां हड़प्पा सभ्यता के बहुत दिलचस्प और महत्वपूर्ण अवशेष मिले हैं। कालीबंगा एक छोटा नगर था। यहां एक दुर्ग मिला है।

राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित कालीबंगा स्थान पर उत्खनन द्वारा (1961 ई. के मध्य किए गए) 26 फिट ऊँची पश्चिमी थेड़ी (टीले) से प्राप्त अवशेषों से विदित होता है कि लगभग 4500 वर्ष पूर्व यहाँ सरस्वती नदी के किनारे हड़प्पा कालीन सभ्यता फल–फूल रही थी। कालीबंगा गंगानगर जिले में सूरतगढ़ के निकट स्थित है। यह स्थान प्राचीन काल की नदी सरस्वती (जो कालांतर में सूख कर लुप्त हो गई थी) के तट पर स्थित था। यह नदी अब घग्घर नदी के रुप में है। सतलज उत्तरी राजस्थान में समाहित होती थी। सूरतगढ़ के निकट नहर–भादरा क्षेत्र में सरस्वती व हृषद्वती का संगम स्थल था। स्वयं सिंधु नदी अपनी विशालता के कारण वर्षा ऋतु में समुद्र जैसा रुप धारण कर लेती थी जो उसके नामकरण से स्पष्ट है। सरस्वती उपत्यका (घाटी) सरस्वती एवं हृषद्वती के मध्य स्थित 'ब्रह्मवर्त' का पवित्र प्रदेश था जो मनु के अनुसार 'देवनिर्मित' था। धनधान्य से परिपूर्ण इस क्षेत्र में वैदिक ऋचाओं का उद्‌बोधन भी हुआ। सरस्वती (वर्तमान में घग्घर) नदियों में उत्तम थी तथा गिरि से समुद्र में प्रवेश करती थी। ऋग्वेद (सप्तम मण्डल, 2/95) में कहा गया है–'एकाचतत् सरस्वती नदी नाम शुचिर्यतौ। गिरभ्यः आसमुद्रात।।' सतलज उत्तरी राजस्थान में सरस्वती में समाहित होती थी।

सी.एफ. ओल्डन ने ऐतिहासिक और भौगोलिक तथ्यों के आधार पर बताया कि घग्घर हकरा नदी के घाट पर ऋग्वेद में बहने वाली नदी सरस्वती 'हृषद्वती' थी। तब सतलज व यमुना नदियाँ अपने वर्तमान पाटों में प्रवाहित न होकर घग्घर व हसरा के पाटों में बहती थीं। महाभारत काल तक सरस्वती लुप्त हो चुकी थी और 13वीं शती तक सतलज, व्यास में मिल गई थी। पानी की मात्रा कम होने से सरस्वती रेतीले भाग में सूख गई थी।

इतिहासवेत्ता वाकणकर के अनुसार सरस्वती नदी के तट पर 200 से अधिक नगर बसे थे, जो हड़प्पाकालीन हैं। इस कारण इसे 'सिंधुघाटी की सभ्यता' के स्थान पर 'सरस्वती नदी की सभ्यता' कहना चाहिए। मूलतः घग्घर–हकरा ही प्राचीन सरस्वती नदी थी जो सतलज और यमुना के संयुक्त गुजरात तक बहती थी जिसका पाट (चौड़ाई) ब्रह्मपुत्र नदी से बढ़कर 8 कि.मी. था। वाकणकर के अनुसार सरस्वती नदी 2 लाख 50 हजार वर्ष पूर्व नागौर, लूनासर, आसियाँ, डीडवाना होते हुए लूणी से मिलती थी जहाँ से वह पूर्व में कच्छ का रण नानूरण जल सरोवर होकर लोथल के निकट संभात की खाड़ी में गिरती थी, किंतु 40 हजार वर्ष पूर्व पहले भूचाल आया जिसके कारण सरस्वती नदी मार्ग परिवर्तन कर घग्घर नदी के मार्ग से होते हुए हनुमानगढ़ और सूरतगढ़ के बहावलपुर क्षेत्र में सिंधु नदी के समानान्तर बहती हुई कच्छ के मैदान में समुद्र से मिल जाती थी। महाभारत काल में कौरव–पाण्डव युद्ध इसी के तट पर लड़ा गया। इसी काल में सरस्वती के विलुप्त होने पर यमुना गंगा में मिलने लगी।

कालीबंगा से प्राप्त प्रागैतिहासिक अवशेष

1922 ई. में राखलदास बैनर्जी एवं दयाराम साहनी के नेतृत्व में मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा (अब पाकिस्तान में लरकाना जिले में स्थित) के उत्खनन द्वारा हड़प्पा या सिंधु घाटी

सभ्यता के अवशेष मिले थे जिनसे 4500 वर्ष पूर्व की प्राचीन सभ्यता का पता चला था। बाद में इस सभ्यता के लगभग 100 केन्द्रों का पता चला जिनमें राजस्थान का कालीबंगा क्षेत्र अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मोहनजोदड़ो व हड़प्पा के बाद हड़प्पा संस्कृति का कालीबंगा तीसरा बड़ा नगर सिद्ध हुआ है। जिसके एक टीले के उत्खनन द्वारा निम्नांकित अवशेष स्रोत के रुप में मिले हैं जिनकी विशेषताएँ भारतीय सभ्यता के विकास में उनका योगदान स्पष्ट करती हैं –

- ताँबे के औजार व मूर्तियाँ– कालीबंगा में उत्खनन से प्राप्त अवशेषों में ताँबे (धातु) से निर्मित औजार, हथियार व मूर्तियाँ मिली हैं, जो यह प्रकट करती है कि मानव प्रस्तर युग से ताम्रयुग में प्रवेश कर चुका था।
- अंकित मुहरें– कालीबंगा से सिंधु घाटी (हड़प्पा) सभ्यता की मिट्टी पर बनी मुहरें मिली हैं, जिन पर वृषभ व अन्य पशुओं के चित्र व तृंधव लिपि में अंकित लेख है जिन्हें अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है। वह लिपि दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी।
- ताँबे या मिट्टी की बनी मूर्तियाँ, पशु–पक्षी व मानव कृतियाँ मिली हैं जो मोहनजोदड़ो व हड़प्पा के समान हैं। पशुओं में बैल, बंदर व पक्षियों की मूर्तियाँ मिली हैं जो पशु–पालन, व कृषि में बैल का उपयोग किया जाना प्रकट करता है।
- तोल के बाट– पत्थर से बने तोलने के बाट का उपयोग करना मानव सीख गया था।
- बर्तन–मिट्टी के विभिन्न प्रकार के छोटे–बड़े बर्तन भी प्राप्त हुए हैं जिन पर चित्रांकन भी किया हुआ है। यह प्रकट करता है कि बर्तन बनाने हेतु 'चारु' का प्रयोग होने लगा था तथा चित्रांकन से कलात्मक प्रवृत्ति व्यक्त करता है।
- आभूषण– स्त्री व पुरुषों द्वारा प्रयुक्त होने वाले काँच, सीप, शंख, घोंघों आदि से निर्मित अनेक आभूषण कंगन, चूड़ियाँ आदि मिलें हैं।
- नगर नियोजन– मोहनजोदड़ो व हड़प्पा की भाँति कालीबंगा में भी सूर्य से तपी हुई ईटों से बने मकान, दरवाजे, चौड़ी सड़कें, कुएँ, नालियाँ आदि पूर्व योजना के अनुसार निर्मित हैं जो तत्कालीन मानव की नगर–नियोजन, सफाई–व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था आदि पर प्रकाश डालते हैं।
- कृषि–कार्य संबंधी अवशेष– कालीबंगा से प्राप्त हल से अंकित रेखाएँ भी प्राप्त हुई हैं जो यह सिद्ध करती हैं कि यहाँ का मानव कृषि कार्य भी करता था। इसकी पुष्टि बैल व अन्य पालतू पशुओं की मूर्तियों से भी होती हैं।
- खिलौने– धातु व मिट्टी के खिलौने भी मोहनजोदड़ो व हड़प्पा की भाँति यहाँ से प्राप्त हुए हैं।
- धर्म संबंधी अवशेष– मोहनजोदड़ो व हड़प्पा की भाँति कालीबंगा से मातृदेवी की मूर्ति नहीं मिली है। इसके स्थान पर आयताकार वर्तुलाकार व अंडाकार अग्निवेदियाँ तथा बैल, बारसिंघे की हड्डियाँ यह प्रकट करती है कि यहाँ का मानव यज्ञ में पशु–बलि भी देता था।
- दुर्ग (किला)– सिंधु घाटी सभ्यता के अन्य केन्द्रो से भिन्न कालीबंगा में एक विशाल दुर्ग के अवशेष भी मिले हैं जो यहाँ के मानव द्वारा अपनाए गए सुरक्षात्मक उपायों का प्रमाण है।

उपर्युक्त अवशेषों के स्त्रोतों के रुप में कालीबंगा का सिंधु–घाटी सभ्यता में अपना विशिष्ट स्थान है। कुछ पुरातत्वेत्ता तो सरस्वती तट पर बसे होने के कारण कालीबंगा सभ्यता को 'सरस्वती घाटी सभ्यता' कहना अधिक उपयुक्त समझते हैं क्योंकि यहाँ का मानव प्रागैतिहासिक काल में हड़प्पा सभ्यता से भी कई दृष्टि से उन्नत था। खेती करने का ज्ञान होना, दुर्ग बना कर सुरक्षा करना, यज्ञ करना आदि इसी उन्नत दशा के सूचक हैं। वस्तुतः कालीबंगा का प्रागैतिहासिक सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में यथेष्ट योगदान रहा है।

हमारे महापुरुष

सरदार वल्लभ भाई पटेल

आधुनिक भारत के शिल्पी

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

आज हम जिस भारत को देख रहे हैं वह टुकड़ों में बंटा हुआ है। एक टुकड़ा पाकिस्तान के रूप में है तो दूसरा बांग्लादेश। कभी भारत की सीमाएं बेहद लंबी हुआ करती थी। यह दौर था अंग्रेजों के आने से पहले का। लेकिन अंग्रेजों ने भारत को टुकड़ों में बांट दिया और जाते–जाते ऐसे हालात पैदा कर गए कि देश के लगभग 500 टुकड़े हो सकते थे लेकिन लौह पुरुष के नाम से मशहूर सरदार वल्लभ भाई पटेल ने ऐसा होने नहीं दिया।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। वास्तव में वे आधुनिक भारत के शिल्पी थे। इस मितभाषी, अनुशासनप्रिय और कर्मठ व्यक्ति के कठोर व्यक्तित्व में विस्मार्क जैसी संगठन कुशलता, कौटिल्य जैसी राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अब्राहम लिंकन जैसी अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह असीम शक्ति से उन्होंने नवजात गणराज्य की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान किया, उसके कारण विश्व के राजनीतिक मानचित्र में उन्होंने अमिट स्थान बना लिया। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सरदार पटेल भारत के देशभक्तों में एक अमूल्य रत्न थे। उनके कठोर व्यक्तित्व में बिस्मार्क जैसी संगठन कुशलता, कौटिल्य जैसी राजनीतिक सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अब्राहम लिंकन जैसी अटूट निष्ठा थी। 1947 में भारत की आज़ादी के बाद पहले तीन वर्ष वे उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना मंत्री और राज्यमंत्री रहे थे।

सरदार पटेल का व्यक्तित्व

सरदार पटेल एक सच्चे देशभक्त थे जो वर्ण–भेद और वर्ग–भेद के कट्टर विरोधी थे। उनमें कई ऐसे गुण थे जो उन्हें एक आदर्श शख्सियत बनाते थे जैसे अनुशासनप्रियता, अपूर्व संगठन–शक्ति, शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता। गांधीजी के कुशल नेतृत्व में सरदार पटेल का स्वतन्त्रता आन्दोलन में योगदान उत्कृष्ट एवं महत्त्वपूर्ण रहा है। आजादी के बाद अपनी कठोर इच्छाशक्ति के बल पर ही उन्होंने देश की विभिन्न रियासतों का विलीनीकरण किया।

जीवन परिचय

भारतीय बैरिस्टर और प्रसिद्ध राजनेता सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था। सरदार पटेल का जन्म लेवा पट्टीदार जाति के एक समृद्ध ज़मींदार परिवार में हुआ था। वे झवेरभाई पटेल एवं लाड़बाई की चौथी संतान थे। सोमभाई, नरसीभाई और विट्ठलदास झवेरभाई पटेल उनके अग्रज थे। पारम्परिक हिन्दू माहौल में पले–बढ़े पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की, लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया, 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और ज़िला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, जिससे उन्हें वक़ालत करने की अनुमति मिली।

वक़ालत

वकील के रूप में पटेल ने कमज़ोर मुक़दमे को सटीकता से प्रस्तुत करके और पुलिस के गवाहों तथा अंग्रेज़ न्यायाधीशों को चुनौती देकर विशेष स्थान अर्जित किया। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वक़ालत के पेशे में तरक़्क़ी करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने मिड्ल टेंपल के अध्ययन करने के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की। वहाँ उन्होंने मनोयोग से अध्ययन किया और अंतिम परीक्षा में उच्च प्रतिष्ठा के साथ उत्तीर्ण हुए। फ़रवरी 1913 में भारत लौटकर वह अहमदाबाद में बस गए और तेज़ी से उन्नति करते हुए अहमदाबाद अधिवक्ता बार में अपराध क़ानून के अग्रणी बैरिस्टर बन गए। गम्भीर और शालीन पटेल अपने उच्चस्तरीय तौर–तरीक़ों और चुस्त अंग्रेज़ी पहनावे के लिए जाने जाते थे। वह अहमदाबाद के फ़ैशनपरस्त गुजरात क्लब में ब्रिज के चैंपियन होने के कारण भी विख्यात थे। 1917 तक वह भारत की राजनीतिक गतिविधियों के प्रति उदासीन रहे।

सार्वभौमिक रूप

1917 में मोहनदास करमचन्द गांधी से प्रभावित होने के बाद पटेल गांधी के सत्याग्रह (अंहिसा की नीति) के साथ तब तक जुड़े रहे, जब तक वह अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ भारतीयों के संघर्ष में क़ारगर रहा। लेकिन उन्होंने कभी भी खुद को गांधी के नैतिक

विश्वासों व आदर्शों के साथ नहीं जोड़ा, फिर भी गांधी के अनुसरण और समर्थन का संकल्प करने के बाद पटेल ने अपनी शैली और वेशभूषा में परिवर्तन कर लिया। उन्होंने गुजरात क्लब छोड़ दिया, भारतीय किसानों के समान सफ़ेद वस्त्र पहनने लगे और उन्होंने भारतीय खान–पान को अपना लिया।

सरदार की उपाधि

1928 में पटेल ने बढ़े हुए करों के ख़िलाफ़ बारदोली के भूमिपतियों के संघर्ष का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। बारदोली आन्दोलन के कुशल नेतृत्व के कारण उन्हें सरदार की उपाधि मिली और उसके बाद देश भर में राष्ट्रवादी नेता के रूप में उनकी पहचान बन गई। उन्हें व्यावहारिक, निर्णायक और यहाँ तक कि कठोर भी माना जाता था तथा अंग्रेज़ उन्हें एक ख़तरनाक शत्रु मानते थे।

जेल यात्राएं

सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में कई बार जेल के अंदर बाहर हुए। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में पटेल ने इंडियन नेशनल कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया। अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ़्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए।

एकीकरण में पटेल की भूमिका

5 जुलाई 1947 को सरदार पटेल ने रियासतों के प्रति नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि 'रियासतों को तीन विषयों – सुरक्षा, विदेश तथा संचार व्यवस्था के आधार पर भारतीय संघ में शामिल किया जाएगा।' धीरे धीरे बहुत सी देसी रियासतों के शासक भोपाल के नवाब से अलग हो गये और इस तरह नवस्थापित रियासती विभाग की योजना को सफलता मिली। भारत के तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया था जो स्वयं में संप्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आज़ादी के ठीक पूर्व (संक्रमण काल में) ही पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई देसी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। पटेल और मेनन ने देसी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना सम्भव नहीं होगा। इसके परिणामस्वरूप तीन को छोडकर शेष सभी राजवाडों ने स्वेच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें 'भारत संघ' में सम्मिलित हो गयीं। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब बहुत विरोध हुआ तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और जूनागढ भी भारत में मिल गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहाँ सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया।

सरदार पटेल ने सभी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण कर देश को दिशा देने का काम भी किया। वे कश्मीर की समस्या का समाधान चाहते थे, लेकिन सत्ता प्रतिष्ठान का सकारात्मक सहयोग नहीं मिल सका। वे एक ऐसे नेता थे जो सम्पूर्ण भारत की एकजुटता के प्रति कृत संकल्पित थे।

गाँधीजी से रिश्ता और अन्तिम समय

महात्मा गाँधी के प्रति सरदार पटेल की अटूट श्रद्धा थी। गाँधीजी की हत्या से कुछ क्षण पहले निजी रूप से गाँधीजी से बात करने वाले पटेल अंतिम व्यक्ति थे। उन्होंने सुरक्षा में चूक को गृह मंत्री होने के नाते अपनी ग़लती माना। उनकी हत्या के सदमे से वे उबर नहीं पाये। गाँधीजी की मृत्यु के दो महीने के भीतर ही पटेल को दिल का दौरा पड़ा था। 15 दिसंबर, 1950 को मुंबई महाराष्ट्र में सरदार पटेल जी के निधन से राष्ट्र ने उसका शिल्पी सदा सदा के लिए खो दिया।

CELEBRATIONS DAYS : OCTOBER-NOVEMBER 2023

02 October	:	Gandhi/ Shastri Jayanti
05 October	:	International Teachers Day
08 October	:	Air Force Day
10 October	:	World Mental Health Day
24 October	:	World Polio Day
31 October	:	National Unity Day
07 November	:	Scout/Guide Flag Day
14 November	:	National Children Day
26 November	:	World Environment Protection Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

गतिविधि पञ्चांग

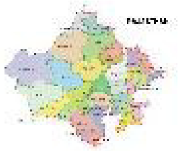

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
षष्ठर प्रशिक्षण (कब/बुलबुल) कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	02 से 04.10.2023 तक
प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर पर	04 से 06.10.2023 तक
दशहरा मेला सेवा शिविर	मण्डल कोटा	22 से 26.10.2023 तक
राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	10 से 12.10.2023 तक
राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	13 से 15.10.2023 तक
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	07 से 13.10.2023 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.10.2023 तक
भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ/सभी स्तर	07.11.2023 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2023 तक
पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	23 से 27.11.2023 तक
कोलायत मेला सेवा शिविर	कोलायत, बीकानेर	25 से 27.11.2023 तक
कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2023 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2023 तक
ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2023 तक
निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2023 तक
अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2023 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2023 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National Level My Rights and Me International Day of Girl Child Workshop on STEAM	09 - 13 October 2023	NYC, Gadpuri (Haryana)

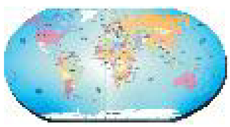

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
19th Girl Scout International Camp	02 - 06 October, 2023	Online
Diamond Countdown Three	11 - 17 October, 2023	Sangam, Pune (Maharashtra)
Autumn in the Alps 2023	22 - 28 October, 2023	Adelboden, Switzerland
Renewal Get-Together	29th Oct. - 05th Nov. 2023	Mexico
Global Friendship Week	26th Nov. - 01st Dec.2023	London, United Kingdom
51st Asia-Pacific Regional Basic Management Course for Scout Executives	20 - 30 November, 2023	Thailand
10th National Jamboree - 2024 - Sri Lanka	20 - 26 February, 2024	Trincomalee

National Headquarters website : www.bsgindia.org

एशिया पेसिफिक रीजन फ्री बीइंग मी फैसिलिटेटर प्रशिक्षण 4 से 8 सितंबर तक संगम वर्ल्ड सेंटर पुणे में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रही गाइड कैप्टन श्रीमती तारा शर्मा

शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला के कर कमलों से जिला जालौर के रा.उ.मा.वि. तवाव के स्काउट मास्टर प्रताप दास संत राज्य स्तरीय शिक्षक अवार्ड से सम्मानित होते हुए

स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी, पाली में स्काउट गाइड सेवार्थ समर्पित लीला तारा भोजनशाला हॉल में आरामदायक प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त करते स्काउट

जालोर में शिविर अवलोकन के दौरान स्काउट गाइड द्वारा बनाए गए झूले पर स्थानीय विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार श्री संयम लोढ़ा

जिला कलेक्टर डॉ.खुशाल एवं एडीएम श्री मुरारी लाल शर्मा के स्काउट कार्यालय आगमन पर विशाल गर्जना से स्वागत करते कब्स

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित नीमराना अलवर की गाइड कैप्टन व एएलटी गाइड श्रीमती रजनी शर्मा

द्वितीय स्काउट आवासीय विद्यालय के शुभारम्भ के अवसर पर स्काउट संगठन के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, स्टेट कमिश्नर श्री नवीन जैन, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं अन्य

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह

प्रकाशन – प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :–

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015

फोन : 0141–2706830, 2941098

ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com